राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार, 04 फरवरी-2023 वर्ष-6, अंक-12 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीबीसी डॉक्यूमेंट्री पर केंद्र को नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने तीन हफ्ते में मांगा जवाब, याचिकाकर्ता ने बैन हटाने की मांग की

एजेंसी

नई दिल्ली। बीबीसी की प्रतिबंधित डॉक्यूमेंट्री इंडियाः द मोदी क्वेश्चन पर लगे बैन को लेकर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार को नोटिस भेजा है और ओरिजनल डॉक्यूमेंट्स जमा करने के आदेश दिए हैं। मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से तीन हफ्ते में जवाब मांगा है। इस मामले में अगली सुनवाई अप्रैल में होगी। दरअसल, डॉक्यूमेंट्री पर रोक लगाए जाने के खिलाफ महुआ मोइत्रा, प्रशांत भूषण और एडवोकेट एमएल शर्मा ने याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया है कि बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री पर बैन लगाने का सरकार का फैसला मनमाना और असंवैधानिक है। याचिका में दावा किया गया है कि 'इंडियाः द मोदी क्वेश्चन' नामक डॉक्यूमेंट्री में 2002 के गुजरात दंगों और उनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका की जांच की गई है। जब दंगे भड़के थे, तब मोदी, गुजरात के मुख्यमंत्री थे। याचिका में यह भी कहा गया है कि डॉक्यूमेंट्री में दंगे रोकने में नाकामयाब रहे जिम्मेदारों से जुड़े कई फैक्ट्स हैं। हालांकि, सच्चाई सामने आने के डर से इसे आईटी रूल 2021 के नियम 16 के तहत बैन किया गया है। रिकॉर्ड किए गए फैक्ट्स भी सबूत हैं और इन्हें पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, जिसे न्याय नहीं मिला है। याचिका में गुजरात दंगों के लिए जिम्मेदार लोगों की जांच की भी मांग की गई है। एमएल शर्मा ने कहा है कि बीबीसी डॉक्यूमेंट्री के दोनों एपिसोड और बीबीसी के रिकॉर्ड किए गए सभी ओरिजनल फैक्ट्स की जांच करें। साथ ही गुजरात दंगों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी तरह से जिम्मेदार या शामिल आरोपियों के खिलाफ धारा 146, 302, 376, 425 और 120-बी और के तहत उचित कार्रवाई करें। कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई याचिका को लेकर सोमवार को ट्वीट किया। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना कहा कि देश में जहां हजारों आम नागरिक न्याय के लिए इंतजार और तारीखों की मांग कर रहे हैं। ऐसे समय में कुछ लोग सुप्रीम कोर्ट का कीमती समय बर्बाद करते हैं। राज्यसभा सांसद और सीनियर एडवोकेट महेश जेठमलानी ने बीबीसी पर चीनी कंपनी से पैसा लेकर भारत विरोधी डॉक्यूमेंट्री बनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा- बीबीसी को चीनी कंपनी हुवावे ने मोदी की छवि खराब करने के लिए पैसा दिया है। अब बीबीसी चीनी एजेंडे को ही आगे बढ़ा रहा है। महेश जेठमलानी दिवंगत एडवोकेट राम जेठमलानी के बेटे हैं। उन्होंने ट्वीट करके कहा- इइउ इतना भारत विरोधी क्यों है? बीबीसीका भारत के खिलाफ दुष्प्रचार फैलाने का एक लंबा इतिहास रहा है। 2021 में बिना जम्मू-कश्मीर के भारत का नक्शा बीबीसी ने जारी किया था। बाद में उसने भारत सरकार से माफी मांगी थी और नक्शे को सही किया था।

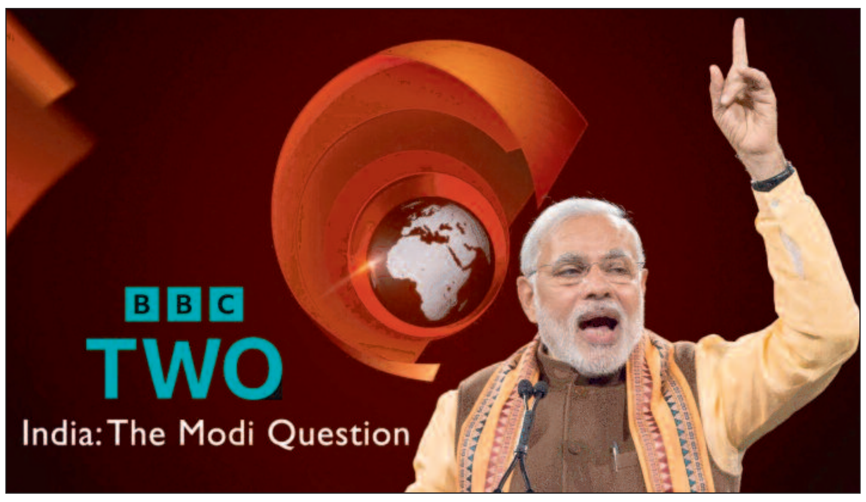

लोकसभा-राज्यसभा सोमवार तक स्थगित

संसदीय कार्यमंत्री बोले- सरकार का इससे कोई लेना-देना नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही सोमवार (6 फरवरी) तक स्थगित कर दी गई है। दोनों सदनों में विपक्ष के सांसदों ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर हंगामा किया और इस मामले में जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी गठित करने की मांग की। वहीं, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इस मुद्दे पर कहा कि उससे (अडानी स्टॉक क्रैश) से सरकार का कोई लेना देना नहीं है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा प्राथमिकता रहती है। विपक्ष पास कोई और मुद्दा नहीं है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सभी पार्टियों के नेताओं ने मिलकर एक फैसला लिया है कि आर्थिक दृष्टि से देश में जो घटनाएं हो रही हैं उसे सदन में उठाना है इसलिए हमने एक नोटिस दिया था। हम इस नोटिस पर चर्चा चाहते थे लेकिन जब भी हम नोटिस देते हैं तो उसे रिजेक्ट कर दिया जाता है। अडाणी ग्रुप पर हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों को लेकर कांग्रेस, जनता दल और लेफ्ट समेत 13 विपक्षी पार्टियों ने मीटिंग की। यह बैठक राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के चेंबर में हुई। इनमें से 9 पार्टियों ने राज्यसभा में स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि लोगों की मेहनत का पैसा बर्बाद हो रहा है। लोगों का विश्वास बैंक और छक्क से उठ जाएगा। कुछ कंपनियों के शेयर लगातार गिरते जा रहे हैं। कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को राज्यसभा में बताया कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को एक संवैधानिक सर्च पैनल के गठन का सुझाव दिया है। उस पैनल में सरकार की ओर से नामित व्यक्ति भी हो। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट सर्च कमेटी के गठन को लेकर सहमत नहीं है। रिजिजू ने भी बताया कि 2018 से अब तक 6 साल में अलग-अलग हाई कोर्ट में कुल 554 न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई। इनमें से 430 जनरल कैटेगरी के हैं। 58 जज डइउ और 19 रउ से हैं। उन्होंने बताया कि रळ से केवल 6 और अल्पसंख्यकों से 27 जज हैं। कानून मंत्री ने बताया देशभर के हाई कोर्ट में 1,108 स्वीकृत पद हैं। अभी 333 पद रिक्त हैं।

एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट के इंजन में लगी आग

विमान वापस लौटा, सभी 184 यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली। एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट के एक इंजन में आग लगने के बाद उसे वापस अबू धाबी एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट अबू धाबी से कालीकट आ रही थी। एअर इंडिया एक्सप्रेस के मुताबिक, सभी 184 पैसेंजर्स सुरक्षित हैं। जानकारी दी है कि एअर इंडिया एक्सप्रेस का इ737-800 विमान जो फ्लाइट नंबर क348 के तौर पर ऑपरेट किया जा रहा था, उसके इंजन नंबर-1 में आग लग गई थी, इस वजह से उसे वापस भेजा गया। बताया कि नंबर से रजिस्टर्ड विमान में जिस समय आग लगी, उस समय वह 1000 फीट की ऊंचाई पर था। एअर इंडिया के एक अधिकारी ने बताया कि फ्लाइट शुक्रवार सुबह केरल के कालीकट के लिए उड़ान भरी थी। टेक ऑफ के दौरान उसके फ्लाइट मैनेजमेंट सिस्टम में तकनीकी खराबी आ गई। बताया जा रहा है कि उड़ान भरने से पहले पायलट ने इस खराबी को नोटिस नहीं किया था। हालांकि, बाद में आग की जानकारी मिलने के बाद उसे वापस अबू धाबी भेजा गया और सुरक्षित लैंड कराया गया।

केजरीवाल ने सरकार के अधिकार पर उठाया सवाल

कहा- सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भी एलजी के पास जा रही हैं फाइलें

एजेंसी

नई दिल्ली। टीचर ट्रेनिंग के लिए फिनलैंड भेजने के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर निशाना साधा। उन्होंने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि शिक्षकों को ट्रेनिंग के लिए विदेश भेजने को लेकर राजनीति हो रही है। पिछले कई दिनों से फाइल छत्र्‍ के ऑफिस में पड़ी हुई और उसे परमिशन नहीं दी जा रही है। उट केजरीवाल ने कहा कि ऐसे में मार्च में होने वाली ट्रेनिंग फिर से कैंसिल हो सकती है। उन्होंने कहा कि शनिवार को पंजाब के 36 टीचर ट्रेनिंग के लिए सिंगापुर जाएंगे। ये बहुत खुशी की बात है। मैं एलजी साहब से अपील करता हूं कि दिल्ली के टीचर्स को भी ट्रेनिंग के लिए फिनलैंड जाने दें। इस मामले में डिप्टी मनीष सिसोदिया ने भी जीएनसीटीडी कानून के जरिए दिल्ली सरकार के अधिकारों पर हनन करने के लिए भड़ास निकाला। केजरीवाल ने कहा कि हमने एलजी के पास कई बार फाइल भेजी है। 15 दिन से फाइल पेंडिंग पड़ी हुई है, लेकिन छत्र्‍ साहब भेजना नहीं चाहते। राज्यों में फाइल नहीं जाती गवर्नर के पास। दिल्ली में भी 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया था कि उपराज्यपाल के पास कोई फाइल नहीं जाएगी, लेकिन दिल्ली में अब हर फाइल पहले उपराज्यपाल के पास जा रही है और वो उसे रोक रहे है। उन्होंने कहा कि संविधान के खिलाफ जाकर काम कर रहे है। हम इसके लिए भी सुप्रीम कोर्ट गए है। उस पर फैसला आना बांकी है। मैं उम्मीद करता हूं जब तक सुप्रीम कोर्ट का फैसला नहीं आ जाता तब तक छत्र्‍ हमारी कोई फाइल नहीं रोके। डिप्टी मनीष सिसोदिया ने पंजाब से टीचर्स को ट्रेनिंग के लिए सिंगापुर भेजे जाने का उदाहरण देते हुए सवाल किया। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों को बराबर अधिकार है तो दिल्ली में क्यों रोका जा रहा है?

कड़ा फैसला लेने पर मजबूर न करें: एससी

केंद्र ने कहा- जजों की नियुक्ति 5 दिन में हो जाएगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में 5 जजों की नियुक्ति के लिए केंद्र को भेजी सिफारिश अगले पांच दिन में मंजूर हो जाएगी। केंद्र सरकार ने अपने हलफनामें में सुप्रीम कोर्ट को यह जवाब दिया है। उसका यह जवाब सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी के बाद आया है। दरअसल, एडवोकेट्स एसोसिएशन बेंगलुरु ने इस मामले में एक अवमानना याचिका लगाई थी। शुक्रवार को इस पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने हाईकोर्ट जजों का ट्रांसफर कर सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति देने की सिफारिशों को मंजूरी देने में हो रही देरी पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने सरकार से कहा कि ये बेहद गंभीर मामला है। हमें ऐसा स्टैंड लेने पर मजबूर न करें, जिससे परेशानी हो। केस की अगली सुनवाई 13 फरवरी को होगी। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 13 दिसंबर को सरकार से 5 नामों की सिफारिश की थी। इनमें जस्टिस पंकज मिथल चीफ जस्टिस राजस्थान, जस्टिस संजय करोल चीफ जस्टिस पटना, जस्टिस पी वी संजय कुमार चीफ जस्टिस मणिपुर, पटना हाईकोर्ट के जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और इलाहाबाद के जस्टिस मनोज मिश्रा का नाम शामिल था। सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने जस्टिस एसके कौल और एएस ओका की बेंच को बताया कि 5 जजों की नियुक्ति का वारंट जल्द ही जारी होगा। सुप्रीम कोर्ट में जजों की सैंक्शन स्ट्रेंथ उखकसमेत 34 है। फिलहाल 27 जजों के साथ काम हो रहा है। पांचों जजों के शपथ लेने के बाद यह संख्या बढ़कर 32 हो जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

एक्सीडेंट के बाद कार में फंसी बाइक को 4 किमी घसीटा

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में तेज रफ्तार कार की टक्कर लगने से एक बाइक कार के नीचे फंस गई। नशे में धुत ड्राइवर ने कार को रोकने की बजाय बाइक को करीब 4 किलोमीटर तक घसीटा। घटना बुधवार देर रात सेक्टर- 62 की है। कार के नीचे फंसी बाइक से चिंगारियां निकल रहीं थीं। अच्छा ये रहा कि इस हादसे में बाइक सवार को ज्यादा चोटें नहीं आईं। वे टक्कर के बाद दूर जा गिरे। पीछे चलने वाले एक शख्स ने इसका वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर अब वायरल हो रहा है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा। रोहित और ऋतिक एक साथ बाइक पर ऑफिस से घर जा रहे थे। जब वे सेक्टर-62 से गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड पर पहुंचे तो एक होंडा अमेज कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों बाइक से दूर जा गिरे। दोनों की जान बच गई। पीड़ित बोले- कार का ड्राइवर नशे में था और एक्सीडेंट के बाद और ज्यादा स्पीड में गाड़ी चलाने लगा।

कैप्टन अमरिंदर की पत्नी को कांग्रेस ने सस्पेंड किया

एजेंसी

अमृतसर। पंजाब के पूर्व उट कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी और पटियाला की सांसद परनीत कौर को कांग्रेस ने सस्पेंड कर दिया है। परनीत कौर पर यह कार्रवाई भाजपा के साथ मिलकर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने पर की गई। कैप्टन पहले ही बीजेपी जॉइन कर चुके हैं। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने परनीत कौर पर पार्टी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हुए पार्टी हाईकमान को शिकायत भेजी थी। इसी शिकायत के आधार पर कांग्रेस की डिसिप्लिनरी एक्शन कमेटी के मेंबर सेक्रेटरी तारीक अनवर ने परनीत कौर को सस्पेंड करने संबंधी लैटर जारी किया। पत्र में परनीत कौर को पक्ष रखने के लिए तीन दिन का समय दिया गया है। कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी परनीत कौर चौथी बार लोकसभा सदस्य बनी हैं। उन्होंने अपना पहला चुनाव वर्ष 1999 में पटियाला सीट से लड़ा और जीत दर्ज की। 2004 और 2009 के लोकसभा चुनाव में वह पटियाला से जीतीं। इस दौरान वह मनमोहन सिंह सरकार में केंद्रीय मंत्री भी रहीं। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में परनीत कौर आम आदमी पार्टी के धर्मवीर गांधी से हार गईं। 2019 के चुनाव में वह फिर जीतकर संसद पहुंची। उस समय पंजाब में कांग्रेस की सरकार थी और कैप्टन मुख्यमंत्री। वर्ष 2021 में नवजोत सिद्धू की वजह से कैप्टन अमरिंदर सिंह और कांग्रेस हाईकमान के रिश्तों में खटास आ गई। कांग्रेस हाईकमान ने जुलाई 2021 में सिद्धू को पंजाब इकाई का प्रधान बनाया और सितंबर 2021 में कैप्टन से उट पद से इस्तीफा मांग लिया। कैप्टन अमरिंदर ने 18 सितंबर 2021 को पंजाब के सीएम पद से इस्तीफा देने के साथ ही कांग्रेस भी छोड़ दी।

कोटा में छठी मंजिल से गिरकर स्टूडेंट की मौत

एजेंसी

कोटा। कोटा में छठी मंजिल से गिरने से एक कोचिंग स्टूडेंट की मौत हो गई। गुरुवार रात को 11:15 बजे वह अपने तीन दोस्तों के साथ बालकनी में बैठा था। कुछ देर बाद चारों दोस्त उठकर जाने लगे। इसी दौरान छात्र उठकर चप्पल पहनने लगा तो उसका बैलेंस बिगड़ गया। पास ही बालकनी में लगी जाली को तोड़ते हुए वह सीधा नीचे जा गिरा। डीएसपी अमर सिंह ने बताया कि मृतक इशांशु भट्टाचार्य (20) धुपगुरी, जलपाईगुड़ी (पश्चिम बंगाल) का रहना वाला था। वह कोटा के जवाहर नगर इलाके में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था। शव को महाराव भीमसिंह अस्पताल के पोस्टमॉर्टम रूम में रखवाया गया है। अमर सिंह के मुताबिक इशांशु वात्सल्य रेजिडेंसी हॉस्टल की छठी मंजिल पर रहता था। वह यहां पिछले साल अगस्त में आया था। डीएसपी ने बताया- हादसे की जानकारी लगते ही दूसरे स्टूडेंट भी मौके पर पहुंच गए। छात्र को तलवंडी स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, लेकिन उसे मृत घोषित कर दिया गया। इतनी ऊंचाई से गिरने की वजह से स्टूडेंट का चेहरा बिगड़ गया। पुलिस ने उसके घर वालों को सूचना दे दी है। उनके आने के बाद शव का पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। डीएसपी का कहना है कि यह सुसाइड का मामला नहीं है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी है। इसमें बच्चा असंतुलित होकर गिरता नजर आ रहा है। बालकनी विंडो की हाइट कम और कमजोर जाली के कारण हुआ हादसा यह घटना 10 मंजिला हॉस्टल में हुई है। हर मंजिल की बालकनी में एल्युमीनियम की जालियां लगाई गई हैं।

प्रशासन का डंका

कश्मीर में हड़पी हुई जमीनों पर चला बेखौफ बुलडोजर

कश्मीर प्रशासन ने इन दिनों अतिक्रमण विरोधी मुहिम छेड़ रखी है, क्या नेता, क्या अफसर, सब इस बुलडोजर के निशाने पर

एजेंसी

श्रीनगर। 4 घंटे पहले बड़े दिन बाद जम्मू-कश्मीर में बुलडोजर चल रहा है। क्या नेता, क्या अफसर, सब इस बुलडोजर के निशाने पर हैं। नेता भी किसी एक पार्टी के नहीं, नेशनल कान्फ्रेंस और कांग्रेस ही नहीं, भाजपा नेताओं और उनके रिश्तेदारों पर भी गाज गिर रही है। दरअसल, कश्मीर प्रशासन ने इन दिनों अतिक्रमण विरोधी मुहिम छेड़ रखी है। सरेआम अतिक्रमण पर बुलडोजर चल रहा है। हालाँकि जिनका अतिक्रमण हटाया जा रहा है, कुछ-कुछ बोल जरूर रहे हैं, लेकिन भारी विरोध करने की सूरत में कतई नहीं हैं। सालों हो गए, कश्मीर में नेशनल कान्फ्रेंस और कांग्रेस का ही ज्यादातर शासन रहा। मतलब, खुद ही सरकार, खुद की ही जमीन। बेनाप जमीनें हड़पीं। बेहिसाब अतिक्रमण किया। कोई कुछ बोलने वाला नहीं। कोई कुछ कहने वाला नहीं। आठ कनाल का एक एकड़ होता है। कहते हैं- अब तक 14 लाख कनाल अतिक्रमण हटाया जा चुका है। एक अफसर के मुताबिक श्रीनगर में 22 लाख कनाल जमीन भाई लोगों ने दबा रखी है। वर्षों पहले, एक बार नेकां नेताओं के घर इनकम टैक्स वाले पहुँच गए थे। भाई लोगों ने आयकर वालों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा था। लेकिन इस बार प्रशासन झुकने वाला नहीं है। इस अतिक्रमण विरोधी मुहिम की गिरफ़्त में कुछ होटल्स, कुछ प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज भी आए हैं। कार्रवाई को एकतरफा इसलिए नहीं कहा जा सकता क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता कविंदर गुप्ता पर भी अतिक्रमण की गाज गिरी है। इन्होंने 23 कनाल जमीन हड़प रखी थी। प्रशासन ने इस जमीन को भी मुक्त करवा लिया है। प्रशासन स्वतंत्र रूप से काम करे, निष्पक्षता बरते तो हर तरह के अन्याय से लड़ा जा सकता है और गरीबों, मजलूमों की मदद भी की जा सकती है। वर्ना जम्मू-कश्मीर में तो हमेशा से पक्षपात होता रहा है। महाराज हरिसिंह के शासन से लेकर शेख अब्दुल्ला और फारुख अब्दुल्ला तक सभी की अलग-अलग कहानियाँ हैं। शेख अब्दुल्ला के शासन के दौरान तो बाकायदा हिंदू अफसरों और कर्मचारियों को केवल इसलिए प्रताड़ित, अपमानित किया जाता था कि वे बहुसंख्यक नहीं थे। तमाम ज़िम्मेदार पदों पर एक धर्म विशेष के अफसर-कर्मचारियों को ही तैनात किया जाता था। यहाँ तक कि महाराज हरिसिंह को कश्मीर छोड़ मुंबई जाने तक को मजबूर कर दिया गया था।

संपादकीय

यात्रा के हासिल

राहुल गांधी की कन्याकुमारी से जम्मू-कश्मीर तक की भारत जोड़ो यात्रा का हासिल देखें तो सर्वप्रथम उन्होंने उस धारणा को तोड़ा है, जिसमें उन्हें एक अगंभीर राजनेता के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की जाती रही है। सात सितंबर को देश के दक्षिणी सिरे से शुरू हुई करीब चार हजार किमी यात्रा को मौसम की जटिलताओं और भौगोलिक चुनौतियों के बीच अंजाम देने सहज-सरल कार्य नहीं था। रक्त जमाती सर्दी में उनका लगातार टी-शर्ट में रहना कौतूहल का विषय बना रहा है। जिसकी व्याख्या उन्होंने समाज के उन गरीब लोगों के प्रति संवेदना की बात कही, जिनके पास तन ढकने के लिये कपड़े नहीं होते। निस्संदेह राहुल ने इस यात्रा के जरिये शारीरिक व मानसिक सहनशक्ति दर्शायी है। निस्संदेह, 135 दिन चली यात्रा ने राहुल गांधी की एक जुझारू नेता के रूप में छवि गढ़ी। वे लगातार भाजपा व संघ पर हमलावर रहे और देश की बहुलतावादी संस्कृति के संरक्षण की बात करते रहे। कहीं न कहीं देश में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं में एक संदेश तो गया कि उनके बीच कोई जूझने वाला नेता खड़ा है। वे लगातार इस कथन को खारिज करने का प्रयास करते रहे कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोई विकल्प नहीं है। वहीं वे दूसरी ओर आगामी आम चुनाव के लिये कांग्रेस पार्टी संगठन में प्राणवायु का संचार करने का प्रयास करते रहे। देश के राजनीतिक परिदृश्य में यह बहस आम रही है कि राहुल गांधी की इस पदयात्रा से क्या हासिल हुआ? क्या राहुल पदयात्रा में मिले समर्थन को आगामी चुनावों में वोटों में तब्दील कर पायेंगे ? क्या वे राजग सरकार के खिलाफ विपक्ष का महागठबंधन बना पाएंगे? हालांकि यह भी सत्य है कि विभिन्न राज्यों में सरकार चला रहे विपक्षी दलों के क्षत्रपों का अपेक्षित समर्थन उन्हें यात्रा के दौरान नहीं मिल पाया। कुछ ही विपक्षी दल उनकी यात्रा में शामिल हुए हैं। सवाल यह भी कि क्या इस पदयात्रा के बाद आगामी आम चुनाव में कांग्रेस विपक्ष को नेतृत्व देने की स्थिति में आई है? यहां सवाल यह भी है कि जब भाजपा 2024 के आम चुनावों के लिये बिगुल फूंक चुकी है तो राहुल गांधी क्या मोदी-शाह की महारथ का मुकाबला करने की स्थिति में आए हैं? फिर भी कह सकते हैं कि नागरिकों से सीधा संवाद और उनकी सहानुभूति हासिल करने में राहुल गांधी कुछ कामयाब तो हुए हैं। इसकी वजह यह भी है कि आम आदमी के दैनिक जीवन से जुड़े मुद्दों और समस्याओं को राहुल ने पदयात्रा के दौरान शिद्दत से उठाया है। लेकिन कांग्रेस को यह ध्यान रखना होगा कि स्पष्ट, निर्णायक, व्यावहारिक संगठनात्मक रणनीति के अभाव में राहुल के प्रयासों को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकती है। भारत जोड़ो यात्रा इस दिशा में प्रयास का एक शुरुआती बिंदु कहा जा सकता है। वहीं दूसरी ओर कश्मीर में पदयात्रा के समापन पर शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में आयोजित रैली में राहुल ने जिस तरह भावनात्मक संवाद किया, उसने कम से कम कश्मीर के लोगों के दिल को तो जरूर छुआ है। उन्होंने देश की विविधता की संस्कृति के पक्ष में आवाज बुलंद करने का प्रयास भी किया। साथ ही हिंसा के दर्द को महसूस करने की बात भी कही और इसे खत्म करने के लिय व्यावहारिक उपायों पर बल दिया। कट्टरवाद को खारिज करते हुए उन्होंने अहिंसा के पुजारियों की समृद्ध परंपरा का जिक्र करते हुए महात्मा गांधी का स्मरण किया। भले ही भाजपा राहुल गांधी की यात्रा की सफलता को स्वीकार नहीं कर रही है लेकिन राहुल ने भाजपा के सामने कई चुनौतियां जरूर पैदा की ।

राहुल की पदयात्रा से मजबूत होगी कांग्रेस?

देश के अधिकांश राज्यों में कांग्रेस सत्ता से बाहर हो चुकी है। लगातार चुनाव हारने के कारण कांग्रेस नेता राहुल गांधी की छवि भी बहुत कमजोर हो गई थी। उन्हें जनाधार विहीन नेता के तौर पर माना जाने लगा था। राजनीतिक पर्यवेक्षक भी मानने लगे थे कि राहुल गांधी में चुनाव जिताने की क्षमता नहीं है। उनके नेतृत्व में कांग्रेस शायद ही फिर से देश की बड़ी राजनीतिक पार्टी बन सके। इन्हीं सब आशंकाओं के मध्य राहुल गांधी ने कुछ ऐसे फैसले किए जिनसे उनकी छवि एक दृढ़ निश्चयी मजबूत नेता के रूप में उभरी है। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की करारी हार के बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।

(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 145 दिनों तक चली भारत जोड़ो पदयात्रा का श्रीनगर के लाल चौक में तिरंगा झंडा फहराने के साथ ही समापन हो गया है। 7 सितंबर को कन्याकुमारी से प्रारंभ हुई भारत जोड़ो पदयात्रा 12 राज्यों व 2 केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरी है। पदयात्रा के दौरान राहुल गांधी करीबन 3970 किलोमीटर पैदल चले हैं। अब तक देश की राजनीति में एक असफल नेता के रूप में जाने जाने वाले राहुल गांधी अपनी इस पदयात्रा के बाद एक नए अवतार में परिपक्व राजनेता के रूप में नजर आने लगे हैं। पदयात्रा के दौरान राहुल गांधी ने लोगों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं से रूबरू हुए। यात्रा के दौरान राहुल गांधी का पूरा प्रयास था कि वह पूरी तरह वीआईपी कल्चर से दूर रहे। इस पदयात्रा में राहुल गांधी का एक अलग ही रूप देखने को मिला जो लोगों को आकर्षित व प्रभावित करने में सफल रहा है। कभी देश पर एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस पार्टी मौजूदा दौर में बहुत कमजोर स्थिति से गुजर रही है। 2014 के बाद तो लोकसभा में कांग्रेस को विपक्ष के नेता के का पद भी नहीं मिल पाया है। देश के अधिकांश राज्यों में कांग्रेस सत्ता से बाहर हो चुकी है। लगातार चुनाव हारने के कारण कांग्रेस नेता राहुल गांधी की छवि भी बहुत कमजोर हो गई थी। उन्हें जनाधार विहीन नेता के तौर पर माना जाने लगा था। राजनीतिक पर्यवेक्षक भी मानने लगे थे कि राहुल गांधी में चुनाव जिताने की क्षमता नहीं है। उनके नेतृत्व में कांग्रेस शायद ही फिर से देश की बड़ी राजनीतिक पार्टी बन सके। इन्हीं सब आशंकाओं के मध्य राहुल गांधी ने कुछ ऐसे फैसले किए जिनसे उनकी छवि एक दृढ़ निश्चयी मजबूत नेता के रूप में उभरी है। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की करारी हार के बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। उस समय सभी ने उनसे इस्तीफा वापस लेने के लिए बहुत दबाव भी डाला था। मगर वह अपने फैसले पर अटल रहे। अंतत: सोनिया गांधी को कांग्रेस का अंतरिम अध्यक्ष बनना पड़ा था। करीब तीन साल बाद कांग्रेस पार्टी में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव करवाए गए। इस दौरान भी कांग्रेस के सभी बड़े नेताओं ने राहुल गांधी से कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभालने की अपील की थी। जिसे उन्होने सिरे से खारिज कर दिया था। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले ही राहुल गांधी ने पदयात्रा करने की घोषणा कर दी थी। जिसे राहुल गांधी ने पूरी कर दिखाया है। कन्याकुमारी से अपने भारत जोड़ो पदयात्रा की शुरुआत करने वाले राहुल गांधी बिना थके बिना रुके लगातार चलकर 4000 किलोमीटर की अपनी पदयात्रा को सफलतापूर्वक पूरा कर देश की जनता को यह संदेश दिया है कि उनमें नेतृत्व करने की क्षमता आज भी बरकरार है। आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी एक बार फिर से मजबूत होकर उभरेगी। राहुल गांधी ने अपनी पदयात्रा के दौरान सभी विपक्षी दलों के नेताओं को आमंत्रित कर विपक्ष को एकजुट करने का भी सार्थक प्रयास किया था। बहुत से विपक्षी दलों के नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो पदयात्रा में शामिल भी हुए। जिससे देश की जनता को एक संदेश गया कि कांग्रेस के बिना विपक्ष की राजनीति हमेशा ही अधूरी रहेगी। जब तक कांग्रेस केंद्र में नहीं रहेगी तब तक विपक्षी एकजुटता नहीं हो पाएगी। कांग्रेस के बिना भाजपा को हराना संभव नहीं है। पूरे देश में आज भी कांग्रेस का जनाधार बरकरार है। हाल ही में कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा को करारी शिकस्त देकर अपनी सरकार बनाई है। जिससे साबित होता है कि कांग्रेस में आज भी भाजपा से दो-दो हाथ करने का दमखम बाकी है। राहुल गांधी द्वारा अपनी पदयात्रा में विपक्षी नेताओं को आमंत्रित करना इस बात का द्योतक है कि राहुल गांधी बड़े मन से राजनीति करना चाहते हैं। उनका इरादा सभी विपक्षी दलों को साथ लेने का है। राहुल गांधी की पदयात्रा में डीएमके वामपंथी दल राष्ट्रीय जनता दल महाराष्ट्र की उद्धव बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा जम्मू कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस पीडीपी जैसी बहुत सी विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने शामिल होकर विपक्षी एकता मजबूत करने की बात कही है। इस पदयात्रा में शामिल होने वाले विपक्षी दलों के सभी नेताओं ने राहुल गांधी की सराहना करते हुए उनके साथ मिलकर विपक्षी गठबंधन को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। इससे लगता है कि आने वाले समय में कांग्रेस एक मजबूत गठबंधन बनाकर भाजपा को सत्ता से हटाने का प्रयास करेगी। राहुल गांधी ने इस यात्रा के जरिए उन सभी सवालों को खारिज कर दिया है जो उन पर उठते रहे थे। पहले कहा जाता था कि राहुल गांधी अध्यक्ष पद नहीं छोड़ेंगे उन्होंने अध्यक्ष पद छोड़ा। फिर कहा गया कि वो खुद अध्यक्ष बन जाएंगे लेकिन वो नहीं बने। इसके बाद कहा गया कि अध्यक्ष के चुनाव को टाल दिया जाएगा लेकिन वो भी नहीं टाला गया। भारत जोड़ो यात्रा के जरिए राहुल गांधी ने एक मजबूत और गंभीर नेता की छवि बनाई है। इस यात्रा के जरिये राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी के सामने एक ताकतवर विकल्प के रूप में खड़े होने की कोशिश की है। अब लोग राहुल गांधी को गंभीरता से ले रहे हैं। इसके अलावा राहुल गांधी विपक्ष के नेताओं में भी आगे निकल गए हैं। अब तक ममता बनर्जी अरविंद केजरीवाल मायावती अखिलेश यादव सभी राहुल गांधी की गंभीरता पर सवाल उठाते रहे थे। आज उन सभी को लगने लगा है कि उनके बिना विपक्ष की एकता मुमकिन नहीं है। हर यात्रा का कोई राजनीतिक उद्देश्य होता है। राहुल की यात्रा भी इससे अछूती नहीं है। खासतौर से यह देखते हुए कि अगले साल लोकसभा चुनाव हैं। इस साल कई राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि राहुल की भारत जोड़ो यात्रा ने देश में हलचल पैदा की है। जिन-जिन राज्यों से यह पद यात्रा गुजरी है वहां पार्टी और कार्यकर्ता सक्रिय हो गए हैं। एक तरह से कहा जा सकता है इस यात्रा से कांग्रेस पार्टी को नई जान मिली है। भारत जोड़ो के नारे में राहुल गांधी कितने कामयाब हुए हैं इसका पता तो बाद में चलेगा। लेकिन इस दौरान राहुल गांधी जिस तरह लगातार प्रधानमंत्री को घेरते रहे उससे उन्हें फायदा हुआ है। सबसे पहले तो वो कांग्रेस के निर्विवादित नेता बन गए हैं। कांग्रेस में सभी ने राहुल गांधी के नेतृत्व को स्वीकार कर लिया है। राहुल गांधी की पद यात्रा के नतीजे इसी साल से दिखने शुरू हो जाएगें। इस वर्ष राजस्थान मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ कर्नाटक तेलंगाना त्रिपुरा मेघालय नागालैंड और मिजोरम सहित नौ राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें राजस्थान और छत्तीसढ़ में कांग्रेस के सामने सरकार बचाने की चुनौती होगी। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को स्थिति मजबूत करने की जरूरत है। यह तभी होगा जब कांग्रेस नौ राज्यों के विधानसभा चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करे। इन नौ राज्यों के नतीजों से ही राहुल गांधी व कांग्रेस पार्टी का भविष्य तय होगा।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

यूथ टेलेंट तलाशेगा खेलो इंडिया

(लेखक- निलय श्रीवास्तव)

शरीर को निरोग रखने के लिए योग और सूर्य नमस्कार किया जाता है। तन और मन खेल से प्रसन्न रहते हैं। निरोगी काया के लिए खेल से बड़ा कोई नुस्खा नहीं। आज के भौतिकवादी युग में खेल का हर दृष्टि से महत्व है। इससे एक और जहाँ प्रशंसा मिलती है वहीं युवाओं के भविष्य निर्धारण में भी मदद मिलती है। सरकार भी चाहती है कि मध्यप्रदेश खेल गतिविधियों के लिए देश भर में पहचाना जाये। खेलो इंडिया जैसे आयोजन इसी बात के सूचक हैं। एक दौर वह था जब क्रिकेट हाकी खेलों तक ही लोगों की दिलचस्पी सीमित थी लेकिन अब बॉक्सिंग शूटिंग घुड़सवारी और बालिकाओं के आत्मरक्षार्थ जूडो कराटे जैसे खेलो में सभी की रोचकता बढ़ रही है। इन खेलो में हमारे प्रदेश के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक मेडल भी जीते हैं। याद दिलाना जरूरी है कि एक समय था जब बालिकाओं का खेल में भाग लेना असामान्य सा लगता था लेकिन लगातार मिले प्रोत्साहन के कारण आज ऐसा कोई खेल नहीं है जिसमें बालिकायें हिस्सा न लेती हों। बल्कि कई बार तो वे लड़कों से बेहतर प्रदर्शन भी करती हैं। मध्यप्रदेश में बेटियों की शिक्षा और खेल को प्रोत्साहन तथा आवश्यक सहयोग कर मध्यप्रदेश सरकार ने एक पुनीत और पावन कार्य किया है। प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान स्वयं खेल प्रेमी हैं। उनकी खेलो के प्रति रूचि और लगाव अक्सर उनके शब्दों में स्पष्ट व्यक्त होते हैं। वे चाहतें हैं कि प्रदेश के युवा विश्व स्तर पर खेलकर मध्यप्रदेश के लिए उपलब्धियां हासिल करें जिससे दुनिया में मध्यप्रदेश का नाम रोशन हो। वे प्रदेश के युवा खिलाड़ियों का आव्हान करते हैं कि आप तो खेल की चिंता करें आपके भविष्य की चिंता मध्यप्रदेश सरकार करेगी। प्रसंगवश बता दें कि खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन पर सरकार उन्हें आर्थिक मदद के साथ शासकीय नौकरी भी दे रही है। कई दिव्यांग युवा खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत कर शासकीय सेवाओं में पद दिया गया है। प्रदेश के खेलो के बजट में इजाफा कर खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये कई शहरों और तहसीलों में स्टेडियम बनाने के लिए सरकार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के शब्दों में खेलो इंडिया के आयोजन से मध्यप्रदेश में खेलों की दिशा में नयी क्रांति आयेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस संकल्प के साथ मध्यप्रदेश को खेलो इंडिया यूथ गेम्स की जिम्मेदारी सौंपी है उसे मध्यप्रदेश पूरे उत्साह के साथ निभायेगा। हमारा प्रयास है कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ी विश्व में बेहतर प्रदर्शन के लिए पहचाने जायें।

देश के दिल मध्यप्रदेश में सम्पन्न हो रहे खेलो इंडिया आयोजन पर पूरे देश की नजर है। यह आयोजन नयी पीढ़ी के खिलाड़ियों की महत्वकांक्षा बढ़ायेगा उनमें उत्साह का संचार करेगा इसमें कोई संदेह नहीं। स्मरण रहे कि हरियाणा के कुरु क्षेत्र में पिछली बार जब खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन हुआ था उसमें मध्यप्रदेश ने 12 स्वर्ण 11 रजत और 15 कांस्य पदकों के साथ कुल 38 पदक हासिल कर आठवां स्थान प्राप्त किया था। हरियाणा से पहले खेलो इंडिया यूथ गेम्स दिल्ली पुणे गुवाहाटी और पंचकुला में सम्पन्न हो चुके हैं। मध्यप्रदेश के लोगों का सौभाग्य है कि इस बार यहाँ आठ शहरों भोपाल इंदौर ग्वालियर जबलपुर उज्जैन मण्डला बालाघाट महेश्वर सहित दिल्ली में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के अंतर्गत 27 खेल हो रहे हैं। खेल के इस महाकुंभ में आठ हजार से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या हमारे प्रदेश की बेटियों की भी है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में पहली बार तलवारबाजी कायाकिंग कैनोइंग कैनो स्लैलम रोइंग खेलों को शामिल किया गया है। मलखंभ खेल का प्रदर्शन भी पहली बार होगा। मलखंभ मध्यप्रदेश का पारम्परिक तथा राज्य खेल है। भोपाल के टी.टी. नगर स्टेडियम के डी.एस.वाई. डब्ल्यू हाल में 3 से 5 फरवरी तक एथलेटिक्स के 26 खिलाड़ी मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए पदकों के लिए मुकाबला कर रहे हैं। इसी हाल में 7 से 11 फरवरी तक कुश्ती के मुकाबलों में 21 खिलाड़ी भाग लेंगें। 1 से 4 फरवरी तक बॉक्सिंग और शूटिंग अकादमी में 1 से 6 फरवरी तक होने वाले मुकाबलों में मध्यप्रदेश के 7 खिलाड़ी निशाना साधेंगें। 6 से 10 फरवरी तक वेटलिफिटंग के मुकाबले भी होंगें। भोपाल के तरुण पुष्कर में 7 से 11 फरवरी तक तैराकी के 38 इवेंट में 544 प्रतिभागी हिस्सा लेंगें।

खेलो के क्षेत्र में राज्य और केन्द्र सरकार कई योजनाओं के माध्यम से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर रहीं हैं। मध्यप्रदेश ने हाकी शूटिंग सॉफ्ट टेनिस कराटे क्रिकेट तैराकी घुड़सवारी टेबल टेनिस सेलिंग शतरंज जैसे अन्य खेलों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी दिये हैं। सरकार खिलाड़ियों को एकलव्य पुरस्कार विक्रम अवार्ड विश्वमित्र अवार्ड लाइफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड जैसे पुरस्कार से सम्मानित कर और शासकीय सेवाओं में पद देकर उनका हौसला बढ़ा रही है। ओलंपिक पैरा ओलंपिक में भी मध्यप्रदेश के खिलाड़ी शामिल होकर स्वर्णिम मध्यप्रदेश बनाने में योगदान दे रहे हैं। बेहतर कोच आवश्यक संसाधनों और अच्छी सुविधाओं ने राज्य के खिलाड़ियों को ऐसा वातावरण दिया है जिससे वे खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश के लिए गौरव हासिल कर रहे हैं। यहाँ बता दें कि मध्यप्रदेश देश में सबसे अधिक एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान वाला एकमात्र प्रदेश है। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हॉकी इंडिया लीग जैसे आयोजनों के माध्यम से हॉकी की पुरानी साख लौटाने का प्रयास किया है। मध्यप्रदेश में लगभग 11 खेल अकादमियाँ संचालित हैं। इनमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रशिक्षण सुविधा अधो संरचना और खेल संसाधन उपलब्ध हैं। खिलाड़ियों के लिये डाइटिशियन न्यूट्रिशनिस्ट फिजियोथेरेपिस्ट सायकोलॉजिस्ट और स्पोर्टस साइंस के उच्च स्तर के डाक्टर्स उपलब्ध हैं।

विचार मंथन

शेयर बाजार और कर्ज के बल पर दुनिया के 3 नंबर के सबसे बड़े अमीर

(लेखक- सनत जैन)

मात्र 8 साल में अपने व्यापार के माध्यम से गौतम अडानी दुनिया के तीसरे नंबर के खरबपति बनकर सामने आए थे। उनकी सफलता को लेकर सारी दुनिया आश्चर्यचकित थी। बड़े-बड़े उद्योगपति और कारोबारी उनकी सफलता को देखते हुए उन पर शोध कर रहे थे। अडानी का जादू किसी को समझ नहीं आ रहा था। समझ नहीं आ भी रहा था। तो समरथ को नहिं दोष गुसाईं की तर्ज पर सब उसे स्वीकार करने के लिए विवश थे। गौतम अडानी ने रिलायंस समूह के प्रवर्तक धीरूभाई अंबानी को भी अपने कारनामों से पीछे छोड़ दिया। चांदी का जूता और सोने की पॉलिश करके उसमें जो हीरा जड़ा। हीरे की चकाचौंध और अडानी के जादू ने सभी को वश में कर रखा था। भारत में अडानी ने रिलायंस समूह को भी पीछे छोड़ दिया। मुकेश अंबानी के कोई भी दांवपेच काम नहीं आए। मुकेश अंबानी को पछाड़ाने के बाद अडानी विश्व यात्रा शुरू कर दी। दुनिया भर के सबसे बड़े कारोबारियों को एक के बाद एक पीछे छोड़कर तीसरे नंबर तक पहुंच गए थे। अब अडानी का जादू हिंडन बर्ड की रिपोर्ट के बाद समाप्त हो गया है। असलियत दुनिया के सामने आ गई है। गौतम अडानी तो डूबेंगे ही लेकिन साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की जनता के लिए भी मुसीबतों का पहाड़ खड़ा कर दिया है। उस से कब निजात मिलेगी यह कोई कह नहीं सकता है। 1984 से 89 के बीच जब देश में आयात निर्यात को लेकर केन्द्र सरकार ने नई नीति बनाई। तब उन्होंने 1988 में अडानी एक्सपोर्ट लिमिटेड कंपनी बनाई। आयात निर्यात का व्यवसाय शुरू किया। 1990 में गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर बंदरगाह बनाया। बिजली के कारोबार में आए। उस समय कंपनी हजार करोड़ को भी नहीं थी। कई राज्यों को बिना प्लांट लगाए भी अरबों रुपए की बिजली विभिन्न राज्यों में सप्लाई की। 2014 में केंद्र की सरकार बदलते ही वह बिजली के सबसे बड़े निजी उत्पादक बन गए। उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। दिन दूनी और रात चौगुनी आर्थिक प्रगति कर उन्होंने अपने जादू से सारी दुनिया का मन मोह लिया। कर्ज और शेयर बाजार गौतम अडानी की सफलता की रीढ़ की हड्डी बने। शेयर बाजार में कई कंपनियां बनाई। अपने परिवार के लोगों को एनआरआई बनाया। ऐसे देशों में कंपनियां बनाई जहां टैक्स और आर्थिक लेनदेन को लेकर कानूनी संरक्षण प्राप्त था। वहां से कंपनियों में भारी निवेश कराया। सरकारी संरक्षण से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों से भारी कर्ज लिया। कंपनियों के शेयर को शेयर बाजार के माध्यम से सट्टेबाजी कर उनकी कीमतें बढ़ाई। शेयर को बैंकों में गिरवी रखा। बैंकों से बढ़े हुए शेयर के दामों पर ऋण प्राप्त किया। प्रीमियर दामों में कंपनी के शेयर निवेशकों को बेचे। केंद्र सरकार की कृपा दृष्टि होने से खनन से लेकर अन्य व्यापार जिसमें खाद्य तेल रक्षा नेचुरल रिसोर्सेज एयरोस्पेस एयरपोर्ट डाटा सेंटर ग्रीन एनर्जी ट्रांसमिशन गैस लॉजिस्टिक और ट्रांसपोर्ट उपभोक्ताओं से जुड़े खुदरा व्यापार सीमेंट के बिजनेस में एकाधिकार रियल स्टेट फाइनेंशियल सर्विस हाउसिंग फाइनेंस इत्यादि के क्षेत्र में उन्होंने 8 साल में इतने झंडे गाड़ दिए। उसकों देखकर सारी दुनिया अडानी के जादू से प्रभावित थी। इसकी टोपी उसके सिर उसकी टोपी इसके सिर करके उन्होंने इतनी बार टोपियां घुमाई कि कोई समझ ही नहीं पाया। सब कुछ जानते हुए भी सरकारी संरक्षण होने के कारण वह बेखौफ होकर अडानी टोपियां घुमाते रहे। अडानी के इस जादू के प्रभाव में आकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय जीवन बीमा निगम सहित पब्लिक सेक्टर की कंपनियों का बहुत सारा निवेश कर्ज और शेयर के रूप में अडानी की कंपनियों में लगा। हिंडन वर्ग की एक रिपोर्ट ने अडानी समूह की असलियत खोली। उसके बाद 1 सप्ताह के अंदर 100 अरब डालर से ज्यादा का नुकसान अडानी समूह की कंपनियों को हो चुका है। यह सिलसिला अभी भी थम नहीं रहा है। शुक्रवार को भी अडानी कंपनी के शेयर भारी गिरावट में रहे। यह दुनिया का सबसे बड़ा आर्थिक घोटाला बताया जा रहा है। इसमें बैंको शेयर बाजार वित्तीय संस्थाओं देसी और विदेशी निवेशकों की कमाई एक ही झटके में हवा-हवाई हो गई है। भारत में स्टेट बैंक भारतीय जीवन बीमा निगम और अन्य कंपनियां भारी नुकसान में आ गई हैं। अडानी खुद तो डूब ही रहे हैं। उनके पास तो पहिले भी कुछ भी नहीं था। उन्होंने जिन से कर्ज लिया और निवेश जिनसे कराया वह सब अडानी के कारण डूब रहे हैं। भारत की अर्थव्यवस्था बहुत नाजुक स्थिति में पहुंच रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्र सरकार पर इसका प्रत्यक्ष असर पड़ रहा है। करोड़ों भारतीय नागरिकों पर भी इसका प्रत्यक् आर्थिक असर पड़ रहा है। शेयर बाजार के जरिए जो गड़बड़झाला अडानी कर रहे थे। वह भी उजागर हो गया है। अब देखते हैं कि यह घोटाला और इसका असर कहा जाकर रुकता है।

आयकर जुटाने कम खर्च करने वाले देशों में भारत शामिल

हैदराबाद । आयकर विभाग हैदराबाद के मुख्य आयुक्त शिशिर अग्रवाल ने बताया कि भारत में 100 रुपए का आयकर जुटाने का खर्च 57 पैसे बैठता है। अग्रवाल तेलंगाना वाणिज्य और उद्योग चैंबर(एफटीसीसीआई) द्वारा आयोजित व्यापार और उद्योग के लिए आम बजट 2023-24 के निहितार्थ के बाद पर आयोजित एक सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। एक विज्ञप्ति में उनके बयान के हवाले से बताया गया` कि हम 100 रुपए का आयकर जुटाने के लिए सिर्फ 57 पैसे खर्च करते हैं। हम इस पर सबसे कम खर्च करने वाले देशों में हैं। ब्रिटेन 100 रुपए आयकर संग्रह के लिए 73 पैसे जापान 174 पैसे जर्मनी 135 पैसे कनाडा 150 पैसे और फ्रांस 111 पैसे खर्च करता है। इस मामले में सिर्फ अमेरिका ही हमसे कम खर्च करता है। बुधवार को संसद में पेश आम बजट पर उन्होंने कहा कि यह विकासोन्मुख बजट है और इसे भारत सरकार की नीतियों और 2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखकर पेश किया गया है।

हिंदुजा ग्रुप की इंडसइंड इंटरनेशनल को इंडसइंड बैंक में हिस्सा बढ़ाने मंजूरी मिली

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हिंदुजा ग्रुप की यूनिट इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड को इंडसइंड बैंक में स्टेक बढ़ाने की सैद्धांतिक और सशर्त मंजूरी दे दी है। इसके परिणामस्वरूप हिंदुजा समूह लेंडर में 1 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश करेगा। बैंक में प्रमोटर की हिस्सेदारी 16.51 फीसदी है। स्टॉक एक्सचेंज के खुलासे के अनुसार 31 दिसंबर 2022 को इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स की 12.58 फीसदी और इंडसइंड लिमिटेड की 3.92 फीसदी थी। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों ने कहा कि बैंक में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए हिंदुजा ग्रुप को 10000-11000 करोड़ रुपए डालने की जरूरत पड़ सकती है। इंडसइंड बैंक के शेयर 83388 करोड़ रुपए के मार्केट कैप के साथ बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 3.25 फीसदी की तेजी के साथ 1075 रुपए पर बंद हुए। शुक्रवार को भी बैंक के शेयर में 2.56 फीसदी की तेजी देखने को मिल रही है और दाम 1103.40 रुपए पर कारोबार कर रहा है। हिंदुजा ग्रुप इंडसइंड बैंक और आरबीआई की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

रुपया 81.91 पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय बाजार रुपया 24 पैसे की बढ़त के साथ ही 81.91 पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.15 पर खुला फिर कुछ और चढ़कर 82.08 पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 12 पैसे की बढ़त को दिखाता है। शुरुआती सौदों में घरेलू मुद्रा ने 82.22 प्रति डॉलर के निचले स्तर को छुआ। इससे पहले गुरुवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 40 पैसे की गिरावट के साथ 82 प्रति डॉलर से नीचे बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी चढ़कर 101.84 पर आ गया।

ट्विटर ने 6 और देशों में ब्लू सेवा का विस्तार किया

सैन फ्रांसिस्को।

माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर ने अपनी ब्लू सर्विस सब्सक्रिप्शन सेवा को छह और देशों में विस्तारित किया है, जिससे कुल 12 देशों में उपयोगकर्ता इसकी सदस्यता ले सकते हैं।टेकक्रंच की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्विटर ब्लू सर्विस अब सऊदी अरब, फ्रांस, जर्मनी, इटली, पुर्तगाल और स्पेन में उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, कंपनी लाइव और रिकॉर्डेड स्पेस के लिए पॉडकास्ट और क्यूरेटेड स्टेशनों की विशेषता वाला एक नया स्पेस टैब पेश कर रही है। स्पेस पेज पहले से ही ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन के बिना उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है, लेकिन यह मुख्य रूप से लाइव ऑडियो सेशन्स प्रदर्शित करता है जो वर्तमान में हो रहे हैं। प्लेटफॉर्म उन थीम वाले स्टेशनों को भी वापस ला रहा है जो स्पेस स्टेशन को विषयों के आधार पर सूचीबद्ध करते हैं, जिसे कंपनी ने पिछले साल अगस्त में एलन मस्क के कार्यभार संभालने से पहले परीक्षण करना शुरू कर दिया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा, कंपनी केवल ब्लू ग्राहकों और आईओएस के लिए ट्विटर पर कुछ लोगों और एंड्रॉइड ऐप के लिए ट्विटर पर पॉडकास्ट उपलब्ध करा रही है। पिछले साल दिसंबर में, ट्विटर ने वेरिफिकेशन के साथ अपनी ब्लू सब्सक्रिप्शन सेवा को फिर से लॉन्च किया था, जिसकी कीमत एंड्रॉइड यूजर्स के लिए 8 डॉलर और आईफोन मालिकों के लिए प्रति माह 11 डॉलर थी।

सोने और चांदी में रिकॉर्ड तेजी

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में कीमती धातुओं में तेजी के बीच भारतीय सराफा बाजारों में भी शुक्रवार 3 फरवरी को सोने और चांदी के दामों में रिकॉर्ड तेजी देखी जा रही है। प्योर गोल्ड की कीमत में 720 रुपए वहीं एक किलो चांदी की कीमत में 2500 रुपए की तेजी आई है। रोजाना बदल रहे सोने और चांदी के दाम बजट के बाद और तेजी से बदल रहे हैं। बीते रोज हल्के उछाल के बाद शुक्रवार को 8 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 720 रुपए बढ़ गए हैं। वहीं प्योर चांदी की कीमत में 2500 रुपए की उछाल आई है। ये बढ़ोतरी इस साल की सबसे बड़ी बढ़ोतरी है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के बड़े बाजारों भोपाल इंदौर जबलपुर रायपुर बिलासपुर दुर्ग में 24 कैरेट का 8 ग्राम प्योर गोल्ड कल के मुकाबले 720 रुपए महंगा बिकेगा। वहीं चांदी कल के मुकाबले 2500 रुपए प्रति किलो की तेजी आई है। कल चांदी बाजार भाव 74800 रुपए प्रति किलो थे जो शुक्रवार को 77300 रुपए हो गए हैं।

फ़ूड कारपोरेशन ने बेचा 900000 टन गेहूं

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने 30 लाख टन गेहूं बेचने की अनुमति फ़ूड कारपोरेशन ऑफ़ इंडिया को दी है। फ़ूड कारपोरेशन ऑफ़ इंडिया ने पहले दिन ही 900000 टन गेहूं टेंडर के माध्यम से विक्रय किया है। 1100 से अधिक निजी कंपनियों ने टेंडर में भाग लिया था। महंगाई पर काबू पाने के लिए सरकारी एजेंसियों और आटा मिलों को प्राथमिकता के आधार पर यह गेहूं दिया गया है। भारतीय खाद्य निगम ने सरकारी एजेंसियों जिसमें केंद्रीय भंडार नेफेड और एनसीसीएफ को गेहूं का आवंटन 2350 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किया है। इससे तैयार आटे का अधिकतम मूल्य 29. 50 पैसे प्रति किलो निर्धारित किया गया है। 22 राज्यों में जो गेहूं बेचा गया है। उसका आधार मूल्य 2600से लेकर 2700 रुपए प्रति क्विंटल रखा गया है। एफसीआई के पास पर्याप्त मात्रा में गेहूं का स्टॉक है। अगले 2 महीने तक एफसीआई हर सप्ताह बुधवार को टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से गेहूं का विक्रय करेगी। मार्च के दूसरे सप्ताह से गुजरात राजस्थान और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में नए गेहूं की आवक शुरू हो जाती है। उसके पहले एफसीआई पिछले साल के स्टॉक का गेहूं खुले बाजार में निकालने की प्रक्रिया में है।

शेयर बाजार उछाल के साथ बंद

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में जमकर खरीददारी हुई जिसके कारण बाजार में यह उछाल आया है। कारोबार के दौरान बैंकिंग ऑटो इंफ्रा शेयरों में बढ़त रही जबकि एनर्जी फार्मा और रियल्टी शेयरों में दबाव आया। इस कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 909.64 अंक करीब 1.52 फीसदी बढ़कर 60841.88 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 223.30 अंक तकरीबन 1.38 फीसदी की बढ़त के साथ ही 17854.05 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इंडसइंड बैंक टाइटन एसबीआई लाईफ इंश्योरेंस एसबीआई और लार्सन एंड टूब्रो के शेयर सबसे ज्यादा ऊपर आये। वहीं निफ्टी के शेयरों को सबसे ज्यादा लाभ रहेगा। अडानी इंटरप्राइजेस अडानी पोर्ट एनटीपीसी डेविस लैब और हिंडाल्को के शेयर सबसे ज्यादा नुकसान में रहे। वहीं गत पिछले कारोबारी सत्र में मिलाजुला कारोबार हुआ था और सेंसेक्स 224.16 अंक करीब 0.38 फीसदी के उछाल के साथ ही 59932.24 के स्तर पर बंद हुआ था जबकि निफ्टी 5.90 अंक तकरीबन 0.00 फीसदी की गिरावट के साथ ही 17610.40 के स्तर पर बंद हुआ था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि बाजार पर बजट के सकारात्मक रुख से यह उछाल आया है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा का चालू वित्त वर्ष की दिसंबर में समाप्त तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 75 फीसदी ऊपर आकर 3853 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। फंसे कर्ज की स्थिति में सुधार से बैंक का लाभ बढ़ा है। वहीं इससे पहले आज सुबह बैंकिंग वित्तीय और ऑटोमोबाइल सेक्टर की कंपनियों के शेयरों में लिवाली से घरेलू शेयर बाजार 350 अंक से ज्यादा चढ़ गया। बीएसई सेंसेक्स पर 375.88 अंक की तेजी के साथ 60308.12 अंक के स्तर पर कारोबार का रहा था।

इसी तरह एनएसई निफ्टी पर 0.48 फीसदी की तेजी के साथ 17694.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स पर शुरुआती कारोबार में इंडसंड बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा 5.03 फीसदी के उछाल के साथ कारोबार हो रहा था। इसी तरह टाइटन में 4.58 फीसदी बजाज फाइनेंस में 2.12 फीसदी एसबीआई में 1.81 फीसदी आईसीआईसीआई बैंक में 1.51 फीसदी और बजाज फिनजर्व में 1.50 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार हो रहा था। इसी तरह एचडीएफसी बैंक महिंद्रा एंड महिंद्रा लार्सन एंड टुब्रो एक्सिस बैंक टाटा मोटर्स और भारती एयरटेल के शेयरों में हरे निशान के साथ कारोबार हो रहा था।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट की जांच के लिए वकील ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, कहा- आपराधिक साजिश

नई दिल्ली। अडानी समूह की कंपनियों में हिंडनबर्ग रिपोर्ट के पीछे कथित आपराधिक साजिश की जांच के लिए केंद्र और सेबी को निर्देश देने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है, रिपोर्ट से इसके शेयर क्रैश हो गए और निवेशकों को भारी नुकसान हुआ।अधिवक्ता एमएल शर्मा द्वारा दायर याचिका में तर्क दिया गया है कि हिंडनबर्ग रिसर्च के अमेरिकी निवासी नैट एंडरसन और उनकी भारतीय संस्थाओं ने एक आपराधिक साजिश रची और उसके बाद 25 जनवरी, 2023 को उन्होंने शोध रिपोर्ट के रूप में एक मनगढ़ंत खबर जारी की, जो अडानी समूह की कंपनियों के लिए नुकसानदायक थी। याचिका में दलील दी गई है कि इस रिपोर्ट के आने के बाद जब शेयर बाजार में गिरावट आई तो उन्होंने सबसे कम दर पर अपनी शॉर्ट सेल की स्थिति को बेहतर कर लिया। भारतीय अरबपति गौतम अडानी के बारे में अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट से उनके 100 बिलियन डॉलर से अधिक डूब गए और उन्हें वैश्विक अमीर सूची में नीचे धकेलते हुए स्टॉक रूट का नेतृत्व किया है। अडानी समूह ने हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज किया। शर्मा की दलील में कहा गया है: उन्होंने (हिंडनबर्ग) भारत के नागरिकों को नुकसान पहुंचाकर अरबों का मुनाफा हासिल किया। हालांकि, सेबी ने विशेष रूप से अडानी समूह की कंपनियों के शेयरों में व्यापार को निलंबित नहीं किया और शॉर्ट सेलर्स को निर्दोष निवेशकों का शोषण करने दिया। याचिका में संवैधानिक सवालों की ओर इशारा किया गया है जो इस मुद्दे में शामिल हैं, जिस पर फैसला किया जाना चाहिए: क्या सेबी निवेशकों की सुरक्षा के लिए शॉर्ट सेलिंग स्टॉक में ट्रेडिंग को निलंबित करने के लिए बाध्य नहीं है? क्या मनगढ़ंत कृत्रिम साधनों के माध्यम से मार्केट को क्रेश करके शेयर मार्केट में स्टॉक को क्रेश करके जानबूझकर शॉर्ट सेलिंग करना आईपीसी की धारा धारा 420 और 120-बी सहपठित सेबी अधिनियम 1992 की धारा 15एचए की के तहत दंडनीय धोखाधड़ी नहीं है। याचिका में आईपीसी की धारा 420 और 120-बी (भारतीय दंड संहिता) के तहत धारा 15एचए सेबी अधिनियम के साथ शॉर्ट सेलर्स (एंडरसन और भारत / यूएसए में उनके सहयोगियों) के खिलाफ मुकदमा चलाने और प्राथमिकी दर्ज करने की जांच की मांग की गई है। साथ ही उन निवेशकों के लिए मुआवजे की भी मांग की गई है, जिन्हें शेयर की कीमत में गिरावट के कारण नुकसान उठाना पड़ा।

केंद्रीय भंडार ने 29.50 रुपए किलो आटा बेचना शुरू किया

नई दिल्ली। उपभोक्ताओं को गेहूं के आटे की बढ़ती कीमतों से राहत देने के लिए केंद्रीय भंडार ने आटा 29.50 रुपए प्रति किलो बेचना शुरू कर दिया है जबकि सहकारी संस्थाएं नेफेड और एनसीसीएफ देशभर में छह फरवरी से समान कीमत पर आटे की बिक्री करेंगी। खाद्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। एक बयान में कहा गया है कि इन संस्थानों ने गेहूं के आटे को भारत आटा या कोई अन्य उपयुक्त नाम के रूप में ब्रांड करने पर सहमति व्यक्त की है जिसका अधिकतम खुदरा मूल्य 29.50 रुपए प्रति किलो होगा। घरेलू बाजार में मुक्त बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत बफर स्टॉक से 30 लाख टन गेहूं की बिक्री की प्रगति पर खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में यह बात कही गई। मंत्रालय ने कहा ` कि केन्द्रीय भंडार ने 29.50 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर आटे की बिक्री शुरू कर दी है। हालांकि एनसीसीएफ और नेफेड छह फरवरी से 29.50 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव से आटे की आपूर्ति करेंगे।

एलईडी टीवी की कीमतें होंगे कम मोबाइल पर भी मिलेगी छूट

- एलईडी टीवी के दाम में मिल सकती है एक हजार से दो हजार की राहत

नई दिल्ली ।

वर्ष 2023 का आम बजट कुछ राहत दी गई है। मोबाइल की बैटरी हो या फिर कैमरे की लेंस सभी की खरीदारी में लोगों को अब छूट मिलेगी। इसके अलावा एलईडी टीवी के दाम में भी कमी आएगी। हालांकि चांदी और खिलौने पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ जाने से बाजार में इस पर खास असर पड़ेगा। विदेश से आने वाले खिलौने की मांग कम होगी और देश में लोकल फॉर वोकल स्कीम की रफ्तार बढ़ेगी। मोबाइल और एलईडी टीवी के एक कारोबारी ने बताया कि 2023 के आम बजट से एलईडी टीवी कैमरे की लेंस और मोबाइल बैटरी के एक्साइज ड्यूटी में जो छूट दी गई उससे टीवी और मोबाइल के पार्ट्स के दाम पर कोई खास असर नहीं डालेगा। बजट के बाद से मोबाइल की बैटरी में 50 से 100 रुपए कैमरे के लेंस में 100 से 200 रुपए और एलईडी टीवी के दाम में 1000 से 2 हजार की राहत मिल सकती है। हालांकि यह छूट कुछ विशेष उपकरण के लिए ही है। ऐसे में बजट से मोबाइल फोन के दाम में कोई विशेष असर नहीं पड़ेगा। आम बजट में भले ही लोगों को इनकम टैक्स में कुछ राहत मिली है लेकिन चांदी की खरीदारी उनके लिए महंगी पड़ेगी। दी बुलियन एंड ज्वेलर्स असोसिएशन का कहना है ` कि बजट से पहले जो चांदी 67 हजार प्रति किलो के हिसाब से बिक रही थी। वह अब करीब 72 हजार रुपए प्रति किलो के हिसाब से बिकेगी क्योंकि बजट में चांदी के एक्साइज ड्यूटी को 10 से 15 प्रतिशत कर दिया गया है। एक खिलौना कारोबारी बताते हैं कि बजट से विदेश से आने वाले खिलौने के दाम में करीब 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। इसकी वजह से विदेशी खिलौने की मांग घटेगी और लोकल फॉर वोकल की गति बढ़ेगी। दो साल पहले भी खिलौनों की एक्साइज ड्यूटी को 36 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया गया था इससे विदेश से आने वाले खिलौने के दाम बढ़ गए और डिमांड में कमी भी आई। बजट के बाद साइकल और इलेक्ट्रिक गाड़ियों के बाजार में हलचल दिखने लगी है।

अडानी ग्रुप की 10 कंपनियों में से 7 के शेयरों में लगा लोअर सर्किट

अडानी इंटरप्राइजेस शेयर सबसे ज्यादा 20 फीसदी टूटा

नई दिल्ली ।

अडानी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट होती जा रही है। सप्ताह के आखिरी कारोबारी सत्र में ग्रुप की 10 लिस्टेड कंपनियों में से सात के शेयरों में लोअर सर्किट लगा है। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर तो 20 फीसदी तक लुढ़क गया है। अडानी टोटल गैस लिमिटेड के स्टॉक में शुक्रवार को पांच फीसदी का लोअर सर्किट लगा और यह स्टॉक गिरकर 1622.35 रुपए पर आ गया।

अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड शुक्रवार को 20 फीसदी लुढ़ककर 1252.20 रुपए पर आ गया। इस स्टॉक में भी लोअर सर्किट लगा है। अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड में भी 10 फीसदी का लोअर सर्किट लगा और यह गिरकर 1396.05 रुपए पर आ गया। अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड में भी सप्ताह के आखिरी कारोबारी सत्र में 10 फीसदी का लोअर सर्किट लगा और यह स्टॉक गिरकर 934.25 रुपए पर आ गया। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड में 6.95 फीसदी की टूट के साथ 430.30 अंक के स्तर पर कारोबार हो रहा था। अडानी पावर लिमिटेड में भी पांच फीसदी का लोअर सर्किट लगा और यह गिरकर 191.95 रुपए पर आ गया।

अडानी विल्मर में भी पांच फीसदी का लोअर सर्किट लगा और इसका भाव गिरकर 399.95 रुपए पर आ गया। अम्बुजा सीमेंट्स का स्टॉक शुक्रवार को 2.57 फीसदी गिरकर 343.50 रुपए पर आ गया। एसीसी लिमिटेड 3.13 फीसदी गिरकर 1783.70 रुपए पर आ गया। नई दिल्ली टेलीविजन लिमिटेड का स्टॉक 5 फीसदी टूटकर 212.75 रुपए पर आ गया।

इंडिगो ने तीसरी तिमाही में 1,422 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया

नई दिल्ली।

इंडिगो एयरलाइन ने दिसंबर 2022 को समाप्त तिमाही के लिए विदेशी मुद्रा हानि को छोड़कर 20,091 मिलियन रुपये का लाभ दर्ज किया। एयरलाइन ने तिमाही के लिए कुल 1,422 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जिसमें 5,865 मिलियन रुपये (586.5 करोड़ रुपये) का विदेशी मुद्रा घाटा शामिल है।एयरलाइन ने 1,422 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 1,298 मिलियन रुपये (129.8 करोड़ रुपये) का शुद्ध लाभ हुआ था, जो 10 गुना से अधिक है। इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड द्वारा शुक्रवार को घोषित परिणामों के अनुसार, दिसंबर 2022 को समाप्त तिमाही के लिए कुल आय 154,102 मिलियन रुपये थी, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 62.6 प्रतिशत अधिक है। तिमाही के लिए, यात्री टिकट राजस्व 131,624 मिलियन रुपये था, 63 प्रतिशत की वृद्धि और सहायक राजस्व 14,222 मिलियन रुपये था, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 24.6 प्रतिशत अधिक था। कंपनी के सीईओ पीटर एल्बर्स ने कहा, हवाई यात्रा की मजबूत मांग की पृष्ठभूमि में तीसरी तिमाही का प्रदर्शन परिचालन और वित्तीय दोनों रूप से मजबूत था। पूरे संगठन में शुरू की गई पहलों की विस्तृत श्रृंखला के परिणाम मिलने शुरू हो गए हैं। मुझे वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही के लिए 154.1 अरब रुपये के उच्चतम तिमाही राजस्व और 14.2 अरब रुपये के मजबूत लाभ की रिपोर्ट करने पर गर्व है। हम अपने ग्राहकों और इंडिगो के सभी कर्मचारियों के आभारी हैं जिन्होंने हमें यह प्रदर्शन हासिल करने में सक्षम बनाया। 300 से अधिक विमानों के आधुनिक बेड़े के साथ, हम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में और अधिक क्षमता वृद्धि की योजना के साथ बाजार की सेवा करना जारी रखते हैं। 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए, पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में, इंडिगो की क्षमता में 25.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यात्री संख्या 25.8 प्रतिशत बढ़कर 22.3 मिलियन हो गई।

अडाणी एंटरप्राइजेज सहित तीन समूह कंपनियां एएसएम के दायरे में रहेंगी

नई दिल्ली ।

शेयरों में भारी गिरावट की वजह से अडाणी एंटरप्राइजेज से हित अडाणी समूह की तीन कंपनियां शेयर बाजारों बीएसई और एनएसई के अल्पकालिक अतिरिक्त निगरानी व्यवस्था (एएसएम) के दायरे में आ गई हैं। देश के दोनों प्रमुख शेयर बाजारों से` मिली सूचना के मुताबिक अडाणी एंटरप्राइजेज के अलावा अडाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड और अंबुजा सीमेंट्स भी एएसएम प्रारूप के दायरे में आ गई हैं।

बाजार के जानकारों के मुताबिक किसी शेयर के एएसएम व्यवस्था के तहत आने का मतलब है कि किसी कारोबारी दिन में ही संपन्न किए जाने वाले शेयर खरीद-बिक्री के लिए 100 प्रतिशत अग्रिम मार्जिन की जरूरत होगी। इस व्यवस्था के तहत शेयरों का चयन ऊंचे एवं नीचे के भाव में बड़ा अंतर होने खरीदारों का संकेंद्रण कीमत दायरा छूने की संख्या बाजार बंद होने वाले दिन पर पिछले बंद भाव की तुलना में अधिक अंतर होने और कीमत-आय अनुपात (पीई) जैसे मानकों का पालन किया जाता है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बीएसई ने कहा कि अडाणी समूह की इन तीनों कंपनियों ने अल्पावधि के लिए अधिक निगरानी उपाय का हिस्सा बनने की शर्तों को पूरा किया है। इसके साथ ही शेयर बाजारों ने कहा कि एएसएम के तहत कंपनी का चयन विशुद्ध रूप से बाजार निगरानी के आधार पर किया जाता है और इसे उस कंपनी के खिलाफ प्रतिकूल कदम के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए।

ला लीगा : रियल मैड्रिड ने 2-0 से वालेंसिया को दी मात

मैड्रिड (स्पेन), ला लीगा फुटबॉल लीग मैच में वालेंसिया के खिलाफ रियल मैड्रिड ने 2-0 से जीत हासिल की। मैड्रिड के मार्कोस असेन्सिया और विनियस जूनियर ने 1-1 गोल दागा। गुरुवार रात खेले गए मैच के पहले हाफ में रियल मैड्रिड 15 मिनट के बाद विरोधी टीम पर हावी रहा। इस दौरान खिलाड़ी गेंद को नियंत्रित करने में सफल रहे। कार्लो एंसेलोटी की टीम ने गेंद पर नियंत्रण रखा लेकिन कई स्पष्ट मौके बनाने में विफल रही। वालेंसिया विंगर सैमुअल लिनो के साथ टक्कर के बाद उन्होंने डिफेंडर एडर मिलिटाओ को भी खो दिया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मिलिटाओ को 36 मिनट के बाद ग्राउंड छोड़ना पड़ा और दानी कार्वाजल ने उनकी जगह ली। वालेंसिया के नेट के पास एंटोनियो रुडिगर के पास गेंद पहले हाफ की सइंजरी टाइम में थी, लेकिन यूनुस मुसा पर करीम बेंजेमा के स्पष्ट फाउल के कारण गोल को अस्वीकार कर दिया गया। पहला हाफ एकतरफा था, जिसमें वालेंसिया शुरूआती 45 मिनट में एक भी शॉट नहीं लगा सका। बेंजेमा की एक और सहायता के दो मिनट बाद विनीसियस जूनियर ने मैड्रिड की बढ़त को दोगुना कर दिया। लेकिन फ्रांसीसी स्ट्राइकर की जगह रोड्रिगो ने ले ली।

ऑस्ट्रेलिया से जीत के लिए भारतीय टीम को स्मिथ लॉयन और कमिंस पर लगाना होगा अंकुश

मुम्बई । (एजेंसी)

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नागपुर में 9 फरवरी से शुरु हो रही चार मैचों की टेस्ट सीरीज भारतीय टीम के लिए बेहद अहम है। ऐसे में टीम इंडिया इस सीरीज को जीतकर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जगह बनाना चाहेगी। वहीं मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम भी इस सीरीज को जीतने के लिए पूरी ताकत लगा देगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम यह सीरीज जीतकर 19 साल के सूखे को समाप्त करना चाहेगी। उसे पिछले 19 साल से भारत में जीत नहीं मिली है। कंगारुओं ने भारत में यह सीरीज जीतने के लिए स्पिन के खिलाफ अभ्यास के लिए एक शिविर भी लगाया है क्योंकि उसे पता है कि भारत में जीत के लिए स्पिनरों से निपटना होगा। वहीं मेजबान भारतीय टीम को अगर यह सीरीज जीतनी है तो उसे ऑस्ट्रेलिया के तीन खिलाड़ियों अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ऑफ स्पिनर नाथन लॉयन और कप्तान पैट कमिंस पर अंकुश लगाना होगा।

स्टीव स्मिथ :

स्मिथ भारत दौरे पर आई ऑस्ट्रेलियाई टीम के एकमात्र बल्लेबाज हैं जिनका भारत में औसत 30 या उससे ज्यादा है। पूर्व क्रिकेटरों डीन जोंस (92.75) और डेविड बून (65.00) के बाद भारत में टेस्ट में सबसे बेहतर औसत स्टीव स्मिथ का ही है। उन्होंने भारत में 6 टेस्ट की 12 पारी में 60 की औसत से 660 रन बनाए हैं। उनके अलावा मौजूदा टीम में शामिल कोई ऐसा बल्लेबाज नहीं है जिसका भारत में औसत 30 से अधिक है। स्मिथ ने साल 2016-17 के पिछले भारत दौरे पर 4 टेस्ट में 3 शतक की मदद से 499 रन बनाए थे। ऐसे में यदि भारतीय गेंदबाजों ने स्मिथ को रोक लिया तो ऑस्ट्रेलियाई टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायेगी क्योंकि अन्य बल्लेबाजों में से अधिकतर के पास भारत में खेलने का अनुभव नहीं है।

नाथन लॉयन :

स्पिनर लॉयन दूसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जिससे भारतीय बल्लेबाजों को सतर्क रहना होगा। ऑफ स्पिनर लॉयन. लॉयन ऑस्ट्रेलियाई टीम के सबसे खतरनाक गेंदबाज साबित हो सकते हैं। वह टीम के एकमात्र स्पिनर हैं जिन्हें भारत में गेंदबाजी का लंबा अनुभव है। उनकी गिनती वर्तमान दौर के सबसे अच्छे स्पिनरों में होती है। उनका रिकॉर्ड इस बात को दिखाता है। गत वर्ष लॉयन टेस्ट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर थे। लॉयन ने 11 टेस्ट में 29.06 की औसत से 47 विकेट लिए थे। इस गेंदबाज ने भारत में 7 टेस्ट में 30.58 की औसत से 34 विकेट लिए हैं। उनका कमजोर पक्ष यह है कि उन्हें दूसरे छोर से कम अनुभवी एश्टन एगर और मिचेल स्वीपसन जैसे गेंदबाजों पर आधारित रहना होगा।

पैट कमिंस :

कमिंस विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में लॉयन के बाद सबसे अधिक विकेट लेने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हैं. उन्होंने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के दूसरे चक्र में 13 टेस्ट में 50 विकेट लिए हैं हालांकि भारत में उनका रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है। कमिंस ने 2 टेस्ट में 30 से अधिक की औसत से 8 विकेट लिए हैं। उन्हें हालांकि जोश हेजलवुड का सहयोग मिलेगा पर हेजलवुड का औसत भी 33 रनों का ही। उन्होंने भारत में अबतक 4 टेस्ट में 9 विकेट लिए हैं।

पहले टेस्ट में शुभमन करेंगे पारी की शुरुआत मध्यक्रम में उतरेंगे राहुल

मुम्बई । (एजेंसी)

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 9 फरवरी से नागपुर में शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में शुभमन गिल को सलामी बल्लेबाज के तौर पर जगह मिली सकती है। शुभमन ने पिछले कुछ समय से शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने हाल में एकदिवसीय में तीन शतक और एक दोहरा शतक लगाया था। ऐसे में टीम प्रबंधन उनकी अनदेखी नहीं कर सकता। वहीं इस मैच में अनुभवी सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल की वापसी से टीम प्रबंधन अब उन्हें मध्यक्रम में उतार सकता है। राहुल पहले भी मध्यक्रम में उतरे हैं। वैसे भी पिछले कुछ समय से वह पारी की शुरुआत करते हुए अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। मध्यक्रम में श्रेयस अय्यर चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं ऐसे में राहुल को उनकी जगह पर उतारा जा सकता है। वैसे भी राहुल को कई बार 4 या 5 नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए देखा गया है। इस मैच में टीम इंडिया को ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा की सेवाएं भी मिलेंगी। जडेजा भी फिट हो गये हैं और उन्होंने पहले टेस्ट के लिए अभ्यास भी शुरु कर दिया है।

भारतीय टीम इस प्रकार है –

रोहित शर्मा (कप्तान) केएल राहुल शुभमन गिल चेतेश्वर पुजारा विराट कोहली श्रेयस अय्यर केएस भरत (विकेटकीपर) ईशान किशन (विकेटकीपर) आर अश्विन अक्षर पटेल कुलदीप यादव रवींद्र जडेजा मोहम्मद शमी मोहम्मद सिराज उमेश यादव जयदेव उनादकट सूर्यकुमार यादव।

आईबीए की विश्व मुक्केबाजी रैंकिंग में भारत नंबर तीन पर पहुंचा

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारत मुक्केबाजी की दुनिया में तेजी से आगे बढ़ रहा है और अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) की नवीनतम विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। मुक्केबाजों के असाधारण प्रदर्शन ने भारत को 36,300 अंक दिलाने में मदद की, जो केवल कजाकिस्तान (48,100) और उज्बेकिस्तान (37,600) से पीछे रहा। उन्होंने यूएसए और क्यूबा जैसे देशों सहित शीर्ष बॉक्सिंग पावरहाउस देशों को भी पीछे छोड़ दिया है, जो वर्तमान स्टैंडिंग में क्रमशः चौथे और नौवें स्थान पर हैं।बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, यह भारत बीएफआई, उसके मुक्केबाजों और वहां के सभी प्रशंसकों के लिए खुशी से भरा पल है। कुछ साल पहले 44वें स्थान से तीसरे स्थान पर पहुंचने के बाद भारतीय मुक्केबाजी ने लंबी छलांग लगाई है। बीएफआई भारत को बॉक्सिंग पावरहाउस बनाने के मिशन को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है और इसने सभी आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए सर्वोत्तम सुविधाएं सुनिश्चित की हैं, उन्हें नियमित राज्य और राष्ट्रीय चैंपियनशिप, विदेशी एक्सपोजर यात्राओं और आवश्यक समर्थन प्रणालियों के साथ आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद की है। बीएफआई अध्यक्ष ने कहा, यह रैंकिंग एक मुक्केबाजी राष्ट्र के रूप में भारत के तेजी से विकास को इंगित करेगी और दुनिया में अपनी मजबूत स्थिति को भी दर्शाएगी। विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों जैसे वैश्विक बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में लगातार शीर्ष पांच देशों में रहने वाली टीमों के साथ भारतीय मुक्केबाजी में हाल के वर्षों में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है।

2007 टी20 विश्वकप के हीरो जोगिंदर ने लिया संन्यास

नई दिल्ली । (एजेंसी)

साल 2007 टी20 विश्वकप क्रिकेट में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले गेंदबाजी जोगिंदर शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अलावा घरेलू क्रिकेट से भी संन्यास ले लिया है। जोगिंदर ने फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ अंतिम ओवर फेंका था। जोगिंदर ने इस ओवर में मिस्बाह-उल-हक का विकेट लेकर भारतीय टीम को रोमांचक जीत दिलायी थी। यह मैच आज भी सभी भारतीय प्रशंसक नहीं भूले हैं हालांकि इसके बाद भी जोगिंदर का करियर आगे नहीं बढ़ा। उसके बाद वह हरियाणा पुलिस में चले गये थे। अब वह डीएसपी हैं। 39 साल के जोगिंदर ने अपने करियर में केवल चार एकदिवीय अंतरराष्ट्रीय और इतने ही टी20 मैच खेले हैं। एकदिवसीय में उन्होंने एक विकेट लेने के अलावा 35 रन भी बनाए हैं। वहीं टी20 में उन्होंने 4 विकेट लिए थे जबकि घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट में इस गेंदबाज ने 2800 रन बनाने के साथ ही 297 विकेट भी लिए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद भी उन्हें भारतीय टीम की ओर से कोई मुकाबला खेलने को नहीं मिला हालांकि फाइनल में उनका प्रदर्शन हमेशा लोगों को याद रहेगा। इस मैच के अंतिम ओवर में पाकिस्तान को जीत के लिए 13 रन बनाने थे और उसके 9 विकेट गिर गए थे। मिस्बाह उस समय 37 और मोहम्मद आसिफ 4 रन बनाकर खेल रहे थे। जोगिंदर के 20वें ओवर की शुरुआत खराब रही और पहली ही गेंद वाइड हो गयी। दूसरी गेंद पर मिस्बाह उल हक ने रन नहीं लिया जबकि दूसरी गेंद पर उन्होंने छक्का लगा दिया। इस प्रकार दो गेंदों पर ही सात रन बन गये ओर पाक जीत की ओर बढ़ने लगी। पाक को जीत के लिए 4 गेंद पर 6 रन ही चाहिए थे। तीसरी गेंद पर मिस्बाह स्कूप शॉट खेलने गए पर वह कैच आउट हो गए! शॉर्ट फाइन लेग पर एस श्रीसंत ने उनका यादगार कैच पकड़ा। इस प्रकार भारत के 157 रन के जवाब में पाकिस्तान की टीम 152 रनों पर ही बनाकर आउट हो गई थी!

संक्षिप्त समाचार

विराट और राहुल बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए नागपुर पहुंचे

मुम्बई । अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और टीम के उपकप्तान लोकेश राहुल बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए नागपुर पहुंच गये हैं। यहां विदर्भ क्रिकेट संघ (वीसीए) स्टेडियम में सीरीज का पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। वीसीए स्टेडियम में पिछले पांच साल में पहली बार टेस्ट मैच खेला जाएगा। वहीं मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम चार टेस्ट मैचों की इस सीरीज के लिए भारत पहुंचने के बाद से ही बेंगलुरु के करीब अभ्यास कर रही है। ऑस्ट्रेलियाई टीम का यह अभ्यास शिविर 6 फरवरी को समाप्त होगा। इसके बाद मेहमान टीम नागपुर रवाना होगी। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की नजर से दोनो ही देशों के लिए अहम मानी जा रही है। इसमें जीत के साथ ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाना चाहेगी। ऐसे में विश्वक की विश्व की नंबर एक टीम ऑस्ट्रेलिया से उसका कड़ा मुकाबला होगा। साल 2004-05 से ही ऑस्ट्रेलियाई टीम इस ट्रॉफी को भारत में कभी भी नहीं जीती है। ऐसे में इसमें भारतीय टीम का पलड़ा भारी बताया जा रहा है। राहुल की हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री अथिया शेट्टी के साथ शादी हुई है। राहुल ने इसी कारण न्यूजीलैंड सीरीज से ब्रेक लिया था। वहीं दूसरी ओर विराट भी न्यूजीलैंड सीरीज से बाहर थे। विराट ने ब्रेक के दौरान कई धार्मिक स्थलों का दौरा किया था। अब ये दोनो ही खिलाड़ी वापसी करते हुए बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। दोनो ही टीमों के बीच नागपुर के बाद अहमदाबाद धर्मशाला और दिल्ली में मैच खेले जाएंगे। इस ट्रॉफी के तह अंतिम बार चार मैचों की सीरीज आयोजित की जा रही है।

नेट अभ्यास करते नजर आये बुमराह

नई दिल्ली । पिछले काफी समय से पीठ दर्द के कारण भारतीय टीम से बाहर चल रहे मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह नेट अभ्यास करते दिखे हैं। बुमराह ने अभ्यास की एक तस्वीर भी अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से जारी की है। इससे उम्मीद लगायी जा रही है कि बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम दो टेस्ट मैचों में खेल सकते है क्योंकि बीसीसीआई ने शुरुआती दो टेस्ट मैचों के लिए पहले ही भारतीय टीम घोषित कर दी है। गौरतलब है कि बुमराह ने पिछले दो साल सितंबर 2021 के बाद से ही कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। पीठ की चोट के कारण इस तेज गेंदबाज को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टेस्ट मैचों के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था। इसके बाद टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था कि बुमराह की फिटनेस को लेकर वह ज्यादा कुछ नहीं बता सकते पर उम्मीद है कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम दो टेस्ट मैच में वह खेल सकेंगे। पीठ की चोट की गंभीरता को देखते हुए उसे फिट होने के लिए पूरा समय दिया जाएगा।

इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए जैमीसन की न्यूजीलैंड टीम में वापसी

क्राइस्टचर्च । (एजेंसी)

न्यूजीलैंड ने तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को इंग्लैंड के खिलाफ अपनी ही धरती पर होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 14 सदस्यीय टीम में शामिल किया है। जैमीसन फिट नहीं होने के कारण पिछले काफी समय से टीम से बाहर थे। जैमीसन को जून 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ खेल के दौरान ही पीठ में खिंचाव आ गया था। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर थे। इस सीरीज में टीम की कप्तानी तेज गेंदबाज टिम साउथी करेंगे। जैमीसन ने पिछले महीने ही अपनी पीठ की चोट से वापसी की और सुपर स्मैश और द फोर्ड ट्रॉफी में ऑकलैंड के लिए खेलते हुए मैच फिटनेस हासिल की। जैमीसन ने केवल 16 टेस्ट में 19.45 के शानदार औसत से 72 विकेट लिए हैं और ट्रेंट बोल्ट के बाहर होने से मेजबान टीम के लिए वह सबसे अहम गेंदबाज हैं। जैमीसन के अलावा कीवी टीम ने नील वैगनर मैट हेनरी और ब्लेयर टिकनर जैसे गेंदबाजों को भी शामिल किया है। कीवी टीम के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा है कि जेमीसन टेस्ट के लिए तैयार हैं और अभ्यास मैच में भी वह भाग लेंगे। ईश सोढ़ी और माइकल ब्रेसवेल का नाम भी टीम में है पर एजाज पटेल और ग्लेन फिलिप्स जो पाकिस्तान के खिलाफ न्यूजीलैंड की आखिरी टेस्ट सीरीज में शामिल थे वह इस टीम में शामिल नहीं होंगे। पहला मैच 16 फरवरी से 20 फरवरी तक तोरंगा के बे ओवल में गुलाबी गेंद से डे-नाइट टेस्ट होगा। वहीं दूसरा टेस्ट 24 फरवरी से 28 फरवरी तक वेलिंगटन के सेलो बेसिन रिजर्व में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड टेस्ट टीम : टिम साउदी (कप्तान) माइकल ब्रेसवेल टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर) डेवोन कॉनवे मैट हेनरी काइल जैमीसन टॉम लैथम डेरिल मिशेल हेनरी निकोल्स ईश सोढ़ी ब्लेयर टिकनर नील वैगनर केन विलियमसन विल यंग।

विराट पुजारा और जडेजा ने पहले टेस्ट के लिए जमकर अभ्यास किया

नागपुर । टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली चेतेश्वर पुजारा और ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ने 9 फरवरी से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरु हो रही टेस्ट सीरीज को देखते हुए जमकर नेट्स में अभ्यास किया। भारतीय टीम ने हाल ही में सीमित ओवरों में शानदार सफलता हासिल की है। ऐसे में अब टीम का लक्ष्य टेस्ट प्रारुप में भी जीत दर्ज करना है। विराट जहां ब्रेक के बाद वापसी कर रहे हैं। वहीं जडेजा फिट नहीं होने के कारण लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के साथ 4 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में अपनी जगह पक्की करने को देखते हुए भारतीय टीम के लिए बेहद अहम है। चार टेस्ट मैचों की इस बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम को टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक टीम ऑस्ट्रेलिया से सावधान रहना होगा। आंकड़ों पर नजर डालें कि भारतीय टीम का घर में होने वाली इस सीरीज में पलड़ा भारी रहेगा हालांकि ऑस्ट्रेलिया भी जीत में कोई कसर नहीं रखेगी। वहीं भारतीय टीम भी ऑस्ट्रेलिया को बिल्कुल भी हल्के में लेने की गलती नहीं करेगी। इस सीरीज की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए भारतीय टीम के खिलाड़ी नेट्स में खूब पसीना बहा रहे हैं। बीसीसीआई ने शुक्रवार को भारतीय खिलाड़ियों की इस सीरीज के लिए तैयारियों की तस्वीरें भी साझा की हैं जिसमें विराट कोहली रविंद्र जडेजा और चेतेश्वर पुजारा जैसे खिलाड़ियों को नेट्स में पसीना बहाते हुए देखा जा सकता है। पहला टेस्ट नौ फरवरी से नागपुर के वीसीए स्टेडियम में खेला जाएगा।

महिला आईपीएल के लिए 1000 खिलाड़ियों ने कराया रजिस्ट्रेशन

इसी माह होगी नीलामी

मुम्बई । पहली बार होने वाले महिला आईपीएल (डब्ल्यूपीएल) के लिए 1000 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इसके लिए नीलामी इसी माह दूसरे सप्ताह में होने की संभावनाएं हैं। बीसीसीआई के अनुसार डब्ल्यूपीएल में क्रिकेटरों ने काफी रुचि दिखाई है। नीलामी के लिए 1000 से अधिक क्रिकेटरों ने अपने हस्ताक्षर किए हैं। भारत के अलावा बढ़ी संख्या में दूसरी देशों की खिलाडियों ने इसमें रुचि दिखायी है। नीलामी में केवल 90 खिलाड़ी ही बिकेंगी। इसमें हर टीम के रोस्टर में ज्यादा से ज्यादा 18 खिलाड़ी हो सकती हैं। इसके लिए 25 जनवरी को टीमों की घोषणा की गई थी जिसमें अडानी कैप्री ग्लोबल मुंबई इंडियंस दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर जैसे समूहों ने टीमें खरीदी थीं। महिला आईपीएल शुरु होने से नई प्रतिभाएं सामने आने के साथ ही खिलाड़ियों को एक मंच मिलने की भी उम्मीद है।

महिला प्रीमियर लीग 2023 की चार मार्च को शुरुआत करेंगी मुंबई, अहमदाबाद की टीम : रिपोर्ट

नई दिल्ली,(एजेंसी)

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के उद्घाटन सीजन की शुरूआत मुंबई और अहमदाबाद (गुजरात जायंट्स के रूप में नामित) टीमों के साथ चार मार्च को डीवाई पाटिल स्टेडियम, नवी मुंबई में हो सकती है।

क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, अभी तक लॉन्च होने वाली लीग के संबंधित अधिकारियों के बीच एक अस्थायी कार्यक्रम प्रसारित किया जा रहा है, जिसमें डब्ल्यूपीएल को किकस्टार्ट करने के लिए 4 मार्च को मुंबई-अहमदाबाद फेस-ऑफ को चिह्नित किया गया है। दो फ्रेंचाइजी क्रमशः उद्योगपति मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के स्वामित्व में हैं, कुछ ऐसा जिसे आईएलटी20 के दौरान कुछ प्रचार दिया गया था, जब तक अमीरात और गल्फ जायंट्स ने यूएई में चल रहे आईएलटी20 में आमना-सामना किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि डीवाई पाटिल स्टेडियम के अलावा, सीसीआई-ब्रेबॉर्न स्टेडियम को एक अन्य स्थल के रूप में रखा गया है। वानखेड़े स्टेडियम, शहर का प्राथमिक स्थल है, जिसमें 17 मार्च को भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे मैच होगा और उसके बाद आईपीएल होगा, जो 1 अप्रैल से शुरू होने की संभावना है। इसमें कहा गया है कि डब्ल्यूपीएल में मुंबई और अहमदाबाद की टीमों के बीच वापसी मैच 14 मार्च को निर्धारित है। अस्थायी डब्ल्यूपीएल कार्यक्रम के दूसरे मैच में टीम बेंगलुरु का सामना 5 मार्च को सीसीआई में टीम दिल्ली से होगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 22 मैचों वाले डब्ल्यूपीएल में पांच दिन की छुट्टी होगी, पहला 17 मार्च को होगा और फिर दो दिन बाद दूसरा ब्रेक 19 मार्च को होगा। अगले दो मैच लीग चरण 22 और 23 मार्च को पूरा होने के बाद होंगे। एलिमिनेटर 24 मार्च को सीसीआई में है और फाइनल 26 मार्च, रविवार को डीवाई पाटिल स्टेडियम में पांचवें और अंतिम ऑफ डे के बाद 25 मार्च को होगा।अडानी स्पोर्ट्सलाइन प्राइवेट के माध्यम से अदानी समूह को 1289 करोड़ रुपए की उच्चतम बोली के साथ गुजरात जायंट्स नाम की अहमदाबाद फ्रेंचाइजी मिली, इंडियाविन स्पोर्ट्स प्रा. लिमिटेड ने 912.99 करोड़ रुपए की बोली के साथ मुंबई

फ्रेंचाइजी का अधिग्रहण किया। रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्रा. लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू जीएमआर क्रिकेट प्रा. लिमिटेड और कैपरी ग्लोबल होल्डिंग्स प्रा. लिमिटेड ने शेष तीन टीमों, बैंगलोर, दिल्ली और लखनऊ (लखनऊ वारियर्स के रूप में नामित) को क्रमशः 901 करोड़ रुपए, 810 करोड़ रुपए और 757 करोड़ रुपए की बोलियों के साथ जीता।

गुरप्रीत सिंह संधू ने बेंगलुरु एफसी के साथ अपना कार्यकाल 2028 तक बढ़ाया

बेंगलुरु। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने शुक्रवार को बेंगलुरु एफसी के साथ अपना कार्यकाल 2028 तक बढ़ा दिया है।क्लब की आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, बेंगलुरू एफसी ने गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू की लंबे समय तक मौजूदगी सुनिश्चित की है। संधू ने पांच साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जो उन्हें 2028 तक क्लब में बनाए रखेगा।बेंगलुरू एफसी के गोलकीपर ने ब्लूज के साथ अपने प्रवास को बढ़ाने पर प्रसन्नता व्यक्त करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया और कहा, भारत में एक ही फुटबॉल क्लब के साथ दूसरा पांच साल का कार्यकाल क्या है? अकल्पनीय? अभूतपूर्व? अपरंपरागत? अवास्तविक? नॉर्वे के स्टैबेक एफसी में यूईएफए यूरोपा लीग में खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनने के बाद 2017 में क्लब में शामिल होने वाले 31 वर्षीय, बेंगलुरू एफसी के शुरूआती एकादश में एक मुख्य आधार रहे हैं और भारतीय राष्ट्रीय टीम में अपना स्थान मजबूती से बना रहे हैं।बेंगलुरु एफसी के साथ, संधू ने तीन ट्राफियां जीती हैं, जिसमें 2018-19 में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का खिताब, 2018 में सुपर कप और हाल ही में 2022 में डूरंड कप शामिल है। संधू ने हीरो आईएसएल में 108 प्रदर्शन किए हैं और केवल अमरिंदर सिंह अन्य गोलकीपर हैं, जिन्होंने भारतीय शीर्ष उड़ान में अधिक प्रदर्शन किया है। हस्ताक्षर करने के बाद से संधू का पहला काम बेंगलुरू एफसी को हीरो आईएसएल प्लेऑफ के लिए मार्गदर्शन करना होगा। ब्लूज वर्तमान में सातवें स्थान पर है, लेकिन ओडिशा एफसी से सिर्फ एक अंक पीछे है, जो गुरुवार को चेन्नईयिन एफसी के खिलाफ केवल ड्रॉ कर सका।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पिछेती गेहूं की उन्नत खेती

पहले किसान नवम्बर-दिसम्बर के बीच धान, गन्ना, अरहर, मक्का, आलू, गोभी, मिर्च, शलजम की कटाई के बाद खेत खाली छोड़ देते थे। लेकिन अब सिंचाई की सुविधाएं हैं तथा गेहूं की कुछ किस्में भी उपलब्ध हैं जिनकी बुआई 7-8 जनवरी तक की जा सकती है। इन किस्मों पर तापमान के घटने-बढ़ने तथा दिन के बड़े और छोटे होने का प्रभाव कम पड़ता है। अगेती होने की वजह से ये किस्में थोड़ी शरद ऋतु होने पर भी अच्छी तरह बढ़ जाती हैं तथा 40 से 50 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज दे देती हैं।

खेत की तैयारी

खरीफ फसल की कटाई के बाद खेत की सिंचाई कर दें। इसके बाद खेत की 20–25 सेमी गहरी जुताई कर दें ताकि पिछली खरीफ फसल की जड़ें आदि बाहर निकाली जा सकें। इसके बाद हैरो या देसी हल से 3–4 जुताई करें, ताकि मिट्टी भुरभुरी हो जाये। जुताई के बाद पाटा लगायें, जिससे समतल और मिट्टी भुरभुरी हो जाये।

खाद और उर्वरक

गेहूं की पिछेती बुआई वाली फसल में 250 किलोग्राम यूरिया, 375 किलोग्राम फास्फोरस और 40 किलोग्राम पोटाश प्रति हैक्टेयर की दर से प्रयोग करना चाहिए। नाइट्रोजन की आधी मात्रा के साथ फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा बुआई के समय बीज के 5 सेमी नीचे दी जानी चाहिए। यह कार्य बीज तथा उर्वरक ड्रिल से किया जा सकता है। 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट प्रति हैक्टेयर की दर से बुआई से पहले खेत में आधार खाद के रुप में देना चाहिए। उर्वरक और बीज मिलाकर न बोयें।

गेहूं का पौधा अपने जीवन के 60 प्रारंभिक दिनों में आवश्यकता की 85 प्रतिशत से अधिक नाइट्रोजन ले लेता है। इन्हीं दिनों कल्ले निकलते हैं और इकाई क्षेत्र में बालियों की संख्या का निर्धारण भी होता है, जिसका सीधा सम्बंध गेहूं उत्पादन से है। इस समय नाइट्रोजन की कमी से कल्ले, बालियों की संख्या तथा उपज पर प्रतिकूल असर पड़ता है। अतः नाइट्रोजन की शेष बची आधी मात्रा देने में देरी नहीं करें। इसको निश्चित रूप से पहली सिंचाई के समय (बुआई के 20 दिन बाद) खड़ी फसल में दें।गेहूं में फास्फोरस धारी उर्वरक की संपूर्ण मात्रा बुआई के समय देने की सिफारिश की जाती है। किंतु कभी–कभी विभिन्न समस्याओं के कारण बुआई के समय फास्फोरस धारी उर्वरक उपलब्ध नहीं हो पाते हैं। ऐसी स्थिति में फास्फोरस धारी उर्वरक के फसल में देने में संदेह व्यक्त किया जाता था। क्योंकि यह नाइट्रोजन धारी उर्वरकों के अपेक्षाकृत पानी में कम घुलनशील और मिट्टी में कम चलायमान है। हाल के वर्षों में अखिल भारतीय गेहूं अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत प्रयोगों से स्पष्ट हो गया है कि फास्फोरसधारी उर्वरक (सिंगल सुपर फास्फेट) की संपूर्ण मात्रा नाइट्रोजनधारी उर्वरक के साथ पहली सिंचाई (बुआई के 20 दिन बाद) के समय दी जा सकती है। ऐसा करने से उपज में बुवाई के समय फास्फोरसधारी उर्वरक देने के बराबर वृद्धि होती है।

पोषक तत्व की कमी के लक्षण

नाइट्रोजन

नाइट्रोजन की कमी से पौधे का विकास रुक जाता है। कल्लों की संख्या कम रहती है। पत्ते छोटे, पतले, पीले हरे या समान रूप से पीले हो जाते हैं। पहले नीचे की पत्तियों में पीलापन दिखता है। प्रति बाली दानों की संख्या घट जाती है।

फास्फोरस

फास्फोरस की कमी से पौधों का विकास रुक जाता है। पत्तियां गहरी हरी, कांसे जैसी या बैंगनी हो जाती है। जड़ों का विकास कम होता है। लगातार अभाव होने पर कल्ले निकलने और दाने पड़ने पर बुरा प्रभाव पड़ता है और फसल देर में पकती है।

पोटाश

पोटाश की कमी से पत्तों की नोंक, किनारे और नसों के बीच के भाग भूरे या पीले अथवा देखने में झुलसे हुए से लगते हैं। खेत की स्थितियों में पहचानना कठिन। कमी बनी रहने से पौधे का विकास रुक जाता है और पत्तियाँ छोटी और संकरी हो जाती हैं।

कैल्शियम

इसकी कमी से पत्ते कड़े और उनके किनारे ऊपर की ओर मुड़े रहते हैं और विकास शीर्ष–बिंदु मुरझा जाते हैं।

गन्धक (सल्फर)

गंधक की कमी से पत्ते पीले हरे या पीले पड़ जाते हैं और नसें कभी–कभी पत्ते के शेष भागों की अपेक्षा हल्के रंग की हो जाती है नये पत्ते भी प्रभावित होते हैं, जो कि नाइट्रोजन की कमी में नहीं होते और हरिमा हीनता कम होती है।

जस्ता

जस्ते की कमी से पौधों की बढ़वार रुक जाती है। पौधा देखने में झाड़ीनुमा लगता है। पत्ते के मध्य भाग में पीले भूरे धब्बे (चित्तियाँ) बन जाते हैं, पत्ते लटक जाते हैं और झुके रहते हैं। रोग के लक्षण पहली बार ऊपर से दूसरी या तीसरी पत्तियों पर प्रकट होते हैं। सामान्यतः पहली सिंचाई के दिनों के बाद कमी के लक्षण प्रकट होते हैं।

बीजोपचार

दीमक के नियंत्रण हेतु बीज को कीटनाशक दवा 'क्लोरोपाइरी फॉस 20 ई.सी. की 400 मिली लीटर मात्रा को 5 लीटर पानी में घोलकर प्रति क्विंटल बीज के हिसाब से बीजोपचार करें। इसके बाद कार्बोक्सिन (वीटावैक्स 75 डब्ल्यू.पी.) या बोनमिल (बेनलिट 50 डब्ल्यू.पी.) 1.5 से 2.5 ग्राम दवा प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित करें। फिर बुआई के पूर्व बीज को 10 ग्राम एजेटोबैक्टर एवं 20 ग्राम पी.एस.बी. कल्चर प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित करें।'

बुआई

कूंड़ों में बुआई की पंक्तियां उत्तर से दक्षिण दिशा में बनाना चाहिए, जिससे पौधों को सूर्य का प्रकाश अधिक मात्रा में प्राप्त हो। पंक्ति से पंक्ति की दूरी 18 से.मी. रखें। बीज की 25 प्रतिशत मात्रा बढ़ायें अर्थात् 125 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर बोना चाहिये। बीज की बुआई 3–4 से.मी. गहरी करें। पिछेती गेहूं की बुआई 5 से 20 दिसम्बर तक करें। अत्यंत देरी से बुआई 15 जनवरी तक करें।

सिंचाई

भूमि में नमी होने से पौधे भोज्य पदार्थों को घोल के रूप में आसानी से ले सकते हैं। अतः गेहूं में क्रांतिक अवस्था में सिंचाई अवश्य करें। चार सिंचाई, पहली प्रारंभिक जड़ निकलने के बाद दूसरी कल्ले फूटने के बाद, तीसरी पौधों में बालें निकलने के समय और चौथी दानों में दूध पड़ने के समय करनी चाहिए। हर सिंचाई पर हल्का पानी देना चाहिए। जब पौधों में बालें निकल आएं तो सिंचाई करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि तेज हवा तो नहीं चल रही है अन्यथा पौधों के गिरने का डर रहता है। खेतों में बार्डर पद्धति पानी लगायें। एक सिंचाई में 7 से.मी. पानी दें।

कटाई और गहाई

फसल पकने पर तुरन्त कटाई कर लें। जब दानों में 15 प्रतिशत नमी रह जाती है, उस फसल को कटाई हेतु तैयार माना जाता है।

शाकनाशी रसायन

खरपतवारनाशी दवा		मात्रा	व्यापारिक	प्रयोग का समय
रसायनिक नाम	व्यापारिक नाम	ग्राम प्रति हेक्टेयर	मात्रा ग्राम/हेक्टेयर	
2,4 डी	2–4 डी एग्रोडान–48 टैफासाइड वीडयार	500–1000	–	बुआई के 30–35 दिन बाद
आइसोप्रोट्यूरान	एरीलान धानुलान आइसागार्ड टाइरस टाल्कान	750–1000	1000–1250 (75% डब्ल्यू पी.)	बुआई के 30–35 दिन बाद
पेण्डीमिथालीन	स्टाम्प पेण्डीगोल्ड पेण्डीलीन धानुटाप, पेनिडा, पेन्डीहर्ब, पेण्डीस्टार	1000	3000	बुआई के तुरन्त बाद
क्लोडीनाफोप	टापिक, झटका	60	400	बुआई के 30–35 दिन बाद घासकुल के खरपतवारों का अच्छा नियंत्रण

सिंचित गेहूं की पिछेती बुआई के लिए उन्नत किस्में

सिंचित/ बुआई का समय	किस्में
मध्यप्रदेश के लिए	
सिंचित देर से बुआई (3–4 सिंचाई) 25 नवम्बर से 25 दिस.	एमपी4010, एचआई 1418 (नवीन चंदौसी), डीएल–788–2 (विदिशा), एचआई 1454 (आभा), जीडब्ल्यु–173, एचडी 2285, एचआई 8498, एचडी 2864 (उपज क्षमता– 40 से 45 क्विंटल/हैक्टेयर)
सिंचित अत्यंत देरी से (4–5 सिंचाई) 15 जनवरी तक	एमपी 4010, एचडी 2402, राज 3777, एचआई1418, एचडी 2864, एचडी 2932, एचडी 2327 (उपज क्षमता : 30 से 35 क्विंटल/हैक्टेयर)
छत्तीसगढ़ के लिए	जीडब्ल्यु 322, एचआई 8627, (ड्यूरम), एमपी 4010, एचआई 1500, एचआई 8498
राजस्थान के लिए	राज.3765, राज.3077, एचडी 4672, एमपी 4010, एचडी 2285, जीडब्ल्यु 173, एचडी 2235, एचडी 2864

खरपतवारों की रोकथाम

गेहूं के खेत में बथुआ, हिरनखुरी, अंकरी, वनगोभी, सतगठिया, कृष्णनील (दलहनी) तथा प्याजी, मोथा, दूब (एक दलीय) खरपतवार उगते हैं। प्रयोगों द्वारा यह देखा गया है कि इन खरपतवारों को हाथ से निराई करके निकाल फेंकना आर्थिक दृष्टि से सस्ता पड़ता है। अतः 'हैन्ड हो' से कम से कम दो निराई–गुड़ाई कर देनी चाहिये, ताकि खरपतवार खेत से नमी तथा खनिज पदार्थों का शोषण न कर सकें।

पहली निराई बुआई के 30 दिन के अंदर करनी चाहिये और दूसरी उसके 20 दिन बाद। खरपतवार नियंत्रण में खरपतवारनाशी रसायनों का उपयोग विशेष लाभकारी है। निराई–गुड़ाई में खरपतवार कई बार मूल से नष्ट होने के बजाय ऊपर से टूट जाते हैं जो बाद में बढ़कर फसल को नुकसान पहुंचाते हैं। शाकनाशी रसायनों के छिड़काव में यह स्थिति नहीं बनती।

उतेरा में लगाएं तिवड़ा

तिवड़ा दलहनी फसल है जिसको खेसारी एवं लाखड़ी के नाम से जाना जाता है। वैसे तो उतेरा के रूप में तिलहनी एवं दलहनी की अनेक फसलें ली जाती हैं किन्तु तिवड़ा का उत्पादन अच्छा होने के कारण आज भी द्विफसलीय खेती में धान के बाद तिवड़ा की खेती की जाती है।

- तिवड़ा को सामान्य पानी में 6 घण्टे भिगोकर रखने तथा धूप में सुखाकर दाल बनाने से 25 प्रतिशत तक हानिकारक तत्वों की मात्रा कम हो जाती है।
- दाल पकाने के पूर्व दाल को ठण्डे पानी में आधा घण्टा भिगोकर रख दें तथा पकाने से पूर्व पानी को निथार दें।

भूमि का चुनाव एवं तैयारी

तिवड़ा फसल की खेती के लिये डोरसा एवं कन्हार भूमि उत्तम है। इसके लिये ओल (बतर) आने पर 2–3 बार जुताई करें तथा पाटा चलाकर खेत की मिट्टी को समतल करना चाहिए।

उन्नत नवीन किस्में

महातिवड़ा, प्रतीक, रतन।

बीज की मात्रा

उतेरा पद्धति – 90 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर।

बुवाई – 40–45 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर।

बीजोपचार : बीज को बुवाई के पहले 3 ग्राम थायरम या बाविस्टीन या कन्टाफ (1.5 ग्राम) फफूंदनाशक प्रति किलो बीज के हिसाब से बीजोपचार करें।

बुवाई समय

उतेरा – धान की खड़ी फसल अवस्था में धान काटने के 20–25 दिन पहले बीज का छिडकाव करें ।

बुवाई – अक्टूबर के द्वितीय सप्ताह से नवम्बर के द्वितीय सप्ताह तक या विलम्ब से बुवाई 30 नवम्बर तक कर सकते हैं।

उर्वरक की मात्रा

इस फसल के लिये 40 किलो यूरिया, 250 किलो स्फूर, 53 किलो पोटाश एवं 20 किलो गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के पहले दें। इसके पश्चात शाखा निकलते समय तथा फलियां बनते समय 2 प्रतिशत (एक लीटर पानी में 20 ग्राम यूरिया) का छिड़काव अधिकतम उत्पादन के लिये किया जाना चाहिये। जिन क्षेत्रों में पानी की पर्याप्त मात्रा हों वहां दरार पद्धति से बुवाई की जा सकती है। इस विधि में धान की बालियां निकलते समय या फूल आते समय 5 सेन्टीमीटर गहरी दरारें बन जाने देते हैं फिर इसमें पानी भरते हैं। 5–7 दिन तक पानी रखने के बाद खेत में बीज छिड़काव करना चाहिए। इस विधि से 60–100 प्रतिशत तक उपज में वृद्धि पाई गयी है तथा धान की उपज में भी कमी नहीं आती है।

सिंचाई : यदि सिंचाई की व्यवस्था हो तो फूल आने से पूर्व तथा दाना भरते समय एक या दो सिंचाई करनी चाहिए।

कटाई - गहाई

फसल हल्की पीली पड़ने पर कटाई करें। अधिक पक जाने पर फलियां चटकने लगती हैं। फसल की गहाई कर दानों को अच्छी तरह सुखाकर भण्डारण करने पर घुन नहीं लगती है।

उपज – फसल का उचित प्रबंधन करके सामान्य बुवाई में 10–12 क्वि/हे. तथा उतेरा पद्धति में 4–6 क्विंटल प्रति हेक्टर उपज प्राप्त की जा सकती है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लंदन में ब्लू प्लैक से सम्मानित होंगी सिख साम्राज्य के संस्थापक महाराजा रंजीत सिंह की पोती सोफिया

लंदन । सिख साम्राज्य के आखिरी शासक महाराजा दलीप सिंह की बेटी और महारानी विक्टोरिया की धर्मपुत्री सोफिया दलीप सिंह को लंदन में स्मृति स्वरूप ब्लू प्लैक से सम्मानित किया जाएगा। सन 1900 के दशक में ब्रिटेन में महिलाओं के मतदान के अधिकार के लिए लड़ने वालों में राजकुमारी सोफिया भी शामिल थीं। इंग्लिश हेरिटेज चैरिटी की ओर से संचालित ब्लू प्लैक स्कीम ऐतिहासिक व्यक्तियों से जुड़ी विशेष इमारतों के ऐतिहासिक महत्व का सम्मान करती है। इसके 2023 के दस्ते में ब्रिटिश भारतीय राजकुमारी का 19वीं सदी का घर भी शामिल है। सोफिया दलीप सिंह का जन्म पंजाबी शाही परिवार में 1876 में हुआ था। वह सिख साम्राज्य के संस्थापक महाराजा रंजीत सिंह की पोती थीं। इंग्लिश हेरिटेज ने इस हफ्ते अपनी घोषणा में कहा है कि महाराज दलीप सिंह की बेटी और रानी विक्टोरिया की धर्मपुत्री राजकुमारी सोफिया दलीप सिंह एक सक्रिय आन्दोलकारी थीं। उन्होंने महिला मताधिकार के लिए समर्थन जुटाने करने के लिए अपने शाही खिताब का भरपूर इस्तेमाल किया। उनके पास पहले से ही हॉलैंड पार्क (लंदन) में एक प्लैक है। बताया गया है कि प्लैक हैम्पटन कोर्ट पैलेस के पास उस बड़े घर को चिह्नित करेगी जिसे महारानी विक्टोरिया ने 1896 में सोफिया और उनकी बहनों को अनुग्रह के तौर पर अपार्टमेंट के रूप में प्रदान किया था। सोफिया : प्रिंसेस सफ्रागेट रेवोल्यूशनरी की लेखिका ब्रिटिश भारतीय लेखिका अनीता आनंद ने ऐतिहासिक नायिका को ब्लू प्लैक से नवाजे जाने की घोषणा पर उत्साह व्यक्त किया है। आनंद ने कहा राजकुमारी सोफिया दलीप सिंह को आखिरकार वह पहचान मिलेगी जिसकी वह हकदार हैं। सोफिया दलीप सिंह ने न सिर्फ महिलाओं के मताधिकार के लिए काम किया बल्कि उन्होंने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान पश्चिमी मोर्चे पर भारतीय सैनिकों की भी मदद की। भारत की आजादी में भी उनके योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सोफिया दलीप सिंह ने 1907 में भारत की यात्रा की थी। यहां उनकी मुलाकात भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों से हुई जिसके बाद उनके भीतर क्रांति की भावना ने जन्म लिया।

ताइवान की राष्ट्रपति वेन ने अमेरिकी नौसेना के सेवानिवृत्त एडमिरल फिल डेविडसन का किया स्वागत

ताइपे । चीन की ओर से बढ़ते दबाव के बीच स्वशासित ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन ने अमेरिकी हिंद प्रशांत कमान के पूर्व प्रमुख एडमिरल फिल डेविडसन का स्वागत किया। पूर्व एडमिरल ने इस दशक में द्वीप पर चीनी हमले को लेकर आगाह किया था। सेवानिवृत्त एडमिरल फिल डेविडसन एक समूह के साथ राजधानी ताइपे पहुंचे। उनके साथ आये समूह में अमेरिकी थिंक टैंक 'नेशनल ब्यूरो ऑफ एशियन रिसर्च' के सहयोगी शामिल हैं। डेविडसन के यहां पहुंचने से पहले कई प्रतिनिधि ताइवान की यात्रा कर चुके हैं। ताइवान के बारे में चीन दावा करता है कि यह उसका हिस्सा है। पिछले साल अगस्त में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की तत्कालीन अध्यक्ष नैंसी पेलोसी ने ताइवान का दौरा किया था जिसके बाद से अमेरिका और चीन के बीच तनाव बढ़ गया था। डेविडसन ने कहा मैं यहां अपने मेजबानों को सुनने और उनसे सीखने के लिए आया हूं। अब तक मैंने यही दोनों काम किये हैं। उन्होंने कहा मैं आज राष्ट्रपति साई के साथ अपनी चर्चा जारी रखने और सुरक्षा वातावरण पर उनका दृष्टिकोण जानने तथा अमेरिका-ताइवान संबंधों पर उनके विचारों को सुनने के लिए उत्सुक हूं। चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी ने पिछले कुछ वर्षों में ताइवान के पास नौसेना के जहाजों और लड़ाकू विमानों को भेजकर इस द्वीप पर अपना दबाव बढ़ा दिया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा था कि चीन के 20 लड़ाकू विमानों ने केंद्रीय रेखा का उल्लंघन कर ताइवान की खाड़ी में प्रवेश किया है। यह केंद्रीय रेखा 1949 में हुए गृह युद्ध के दौरान अलग हुए दोनों भागों के बीच लंबे समय से अनधिकारिक बफर क्षेत्र की भूमिका निभाती है।

लाभ के बाद छंटनी विरोध-प्रदर्शन पर उतरे गूगल के हजारों निकले गए कर्मचारी

न्यूयार्क । दुनिया भर की टेक कंपनियों में इनदिनों छंटनी का दौर जारी है। हाल ही में दिग्गज टेक कंपनी गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट ने हाल ही में 12 हजार कर्मचारियों की छंटनी करने का ऐलान किया था। अब कंपनी की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। कंपनी के कई कर्मचारियों ने सबकॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स के लिए काम की स्थिति पर ध्यान देने और हजारों सहकर्मियों को सपोर्ट करने के लिए इस सप्ताह कैलिफोर्निया और न्यूयॉर्क में विरोध प्रदर्शन किया। एक रैली माउंटेन व्यू कैलिफोर्निया में गूगल के मुख्यालय में आयोजित की गई जबकि दूसरी न्यूयॉर्क शहर में गूगल के कॉर्पोरेट ऑफिस के पास हुई। अल्फाबेट इंक द्वारा चौथी तिमाही के परिणामों की सूचना देने के कुछ ही मिनटों बाद लगभग 50 कर्मचारियों ने नाइंथ एवेन्यू पर एक गूगल स्टोर के बाहर न्यूयॉर्क में विरोध प्रदर्शन किया। कंपनी को चौथी तिमाही में 13.6 अरब डॉलर प्रॉफिट हुआ है। एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर अल्बर्ट डेवर ने कहा आज गूगल ने अपने 12 हजार सहकर्मियों की छंटनी के अपने तर्क को खारिज कर दिया है। यह स्पष्ट है कि कर्मचारियों की छंटनी से कंपनी जो बचत कर रही है वह स्टॉक बायबैक पर खर्च किए गए सात अरबों या पिछली तिमाही में हुए अरबों के लाभ की तुलना में कुछ भी नहीं है। प्रदर्शनों का आयोजन लेबर ग्रुप अल्फाबेट वर्कर्स यूनियन द्वारा किया गया था। इसके मेंबर्स में गूगल सबकॉन्ट्रैक्टर्स के साथ-साथ कर्मचारी भी शामिल हैं।

हम सिर्फ दोस्त हैं यह सुनकर युवक को लगा धक्का लड़की पर ठोका 24 करोड़ का मुकदमा कहा मेरी भावनाओं से खेला

सिंगापुर । सिंगापुर में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर एक लड़की पर तब मुकदमा दायर कर दिया जब उसे पता चला कि वह उसे केवल एक दोस्त के रूप में देखती है। के काविशिगन ने इससे लगे भावनात्मक आघात के लिए लड़की से 3 मिलियन या 24 करोड़ रुपए की मांग की है। दरअसल काविशिगन और लड़की नोरा टैन 2016 में मिले और समय के साथ दोस्त बन गए। दोनों के बीच समस्या तब पैदा हुई जब लड़के को लगने लगा की वह उसे प्रेम करती है। जबकि लड़की काविशिगन को सिर्फ एक दोस्त के रूप में ही देखती थी। वर्ष 2020 में काविशिगन को पता चला कि नोरा उसे केवल एक दोस्त के रूप में देखती है जबकि वह उसे अपना सबसे करीबी दोस्त मानता था। रिपोर्ट के मुताबिक जब लड़की ने काविशिगन के साथ सभी तरह के संपर्कों को बंद कर दिया तो लड़के ने अपने को ठगा महसूस किया। काविशिगन ने अदालत में दो मुकदमे दायर किए हैं जिसमें उसकी प्रतिष्ठा को हुए नुकसान और भावनात्मक आघात का हर्जाना देने का दावा किया है। काविशिगन ने लड़की की ओर से कथित तौर पर अपने रिश्ते को सुधारने के लिए एक समझौते का उल्लंघन करने के आरोप में तीन मिलियन डालर का हर्जाना भी मांगा है। कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के लिए 9 फरवरी की तारीख तय की है।

हांगकांग ने सीबीडी ड्रग्स पर लगाया प्रतिबंध पकड़े जाने पर 7 साल की जेल और भारी जुर्माना

हांगकांग । हांगकांग में कैनबिडिओल (सीबीडी) खूब फलफूल रहा था। सीबीडी के रूप में पहचाने जाने वाली यह ड्रग दुनिया भर के देशों में कैफे रेस्टोरेंट और दुकानों में धड़ल्ले से बिक रही थी। यह नए बाजार में भी शामिल होने के लिए तैयार थी लेकिन अब हांगकांग सरकार ने सीबीडी पर शिकंजा कसने का निर्णय लिया है। हांगकांग में सीबीडी बेचना अपराध घोषित कर दिया गया है। इसे हेरोइन और फेंटेनल के समान स्तर पर 'खतरनाक ड्रग्स' घोषित किया गया है। सीबीडी भांग और मारिजुआना के पौधों में पाया जाने वाला एक रसायन है। यह गैर-साइकोएक्टिव है जिसका मतलब है यह आपको खतरनाक नशे की तरह नहीं लगेगा। इसका उपयोग अवसाद तनाव और चिंता को कम करने के लिए किया जाता है। साथ ही सूजन को दूर करने के लिए भी कई लोग इसका उपयोग करते हैं। हाल के सालों में इसकी वैश्विक लोकप्रियता काफी बढ़ गई है। कई ब्रांडों ने इसे शैंपू पेय पदार्थों और शरीर के लिए उपयोग होने वाले तेलों में भी शामिल किया है। इसे भालू और कुत्ते के इलाज में भी उपयोग में लाया जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप में यह कॉफी की दुकानों और बाजारों में आसानी से मिल जाती है। यहां तक कि यह दवा की दुकानों पर भी उपलब्ध थी। पिछले जून में सीबीडी पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून का मसौदा हांगकांग के सांसदों ने पेश किया था और यह 1 फरवरी से प्रभावी हो गया है।

कीव में यूरोपीय यूनियन के सम्मेलन से पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति वालोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात करती हुई यूरोपीय आयोग की प्रेसीडेंट उरुसला वांडर लियान।

प्रधानमंत्री के रूप में ऋषि सुनक ने पूरे किए 100 दिन बदलाव का किया वादा

लंदन । पहले गैर-श्वेत ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने गुरुवार को अपने कार्यकाल के 100 दिन पूरे कर लिए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में वह बढ़ती महंगाई समेत कई अन्य चुनौतियों के बीच परिवर्तन लाने का संकल्प लेते दिखाई दे रहे हैं।

भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने पिछले साल दीपावली के एक दिन बाद 25 अक्टूबर को 10 डाउनिंग स्ट्रीट (प्रधानमंत्री का आधिकारिक कार्यालय) में कार्यभार संभाला था। उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती प्रधानमंत्रियों की अनौपचारिक विदाई के बाद उपजी गंभीर राजनीतिक उथल-पथल के बीच सुनक ने पदभार ग्रहण किया गया था।' पार्टीगेट स्कैंडल ने बोरिस जॉनसन और देश की सबसे कम समय तक प्रधानमंत्री रहीं लिज ट्रस को झटका दिया था। उसके बाद से सुनक अपनी शीर्ष प्राथमिकताओं को पेश करते रहे हैं जिसमें बढ़ती मुद्रास्फीति में कटौती करने पर विशेष जोर देने के साथ कोविड-19 महामारी और रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद गुजर बसर करने के भारीभरकम खर्च से जुड़े संकट से निपटने की बात शामिल रही है।

कंगाली दूर करने का जिहादी प्लान, एक हाथ में कुरान, दूसरे में एटम बम, झुकेगी सारी दुनिया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान बर्बादी की कगार पर है। यही नहीं पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार का खाता भी खाली होने वाला है। लोगों में दाने-दाने को लेकर मारामारी मची हुई है। लेकिन दूसरी ओर सभी देशों को पाकिस्तान के परमाणु बमों को लेकर चिंता सता रही है। अगर पाकिस्तान एक मुल्क के रूप में विफल हुआ और वहां आतंकवादी संगठनों ने पैर पसारे तो बड़े पैमाने पर विनाशकारी हथियार गलत हाथों में जा सकता है। ये डर पूरी दुनिया का है क्योंकि पाकिस्तान एक कट्टरपंथी देश है। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें पाकिस्तान के कट्टरपंथी नेता परमाणु बम को लेकर इरादे बता रहे हैं।

वीडियो में तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान पार्टी का नेता साद रिजवी जो कहता नजर आ रहा है वो और भी खतरनाक है। रिपोर्ट के मुताबिक स्वीडन और नीदरलैंड में कुरान जलाने के मुद्दे पर प्रकाश डालते हुए साद रिजवी ने कहा कि पाकिस्तानी सरकार ने कमजोर प्रतिक्रिया दी, उन्हें सबक सिखाने में नाकाम रही। वे प्रधानमंत्री (शहबाज शरीफ), उनकी पूरी कैबिनेट और सेनाध्यक्ष को दूसरे देशों में आर्थिक मदद की भीख मांगने के लिए भेज रहे हैं... मैं पूछता हूं कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था खतरे में है... इसके बजाय मैं उन्हें सलाह देता हूं कि एक हाथ में कुरान और दूसरे हाथ में एटम बम का सूटकेस लेकर कैबिनेट को स्वीडन ले जाएं और कहें कि हम कुरान की सुरक्षा के लिए आए हैं। अगर यह पूरी कायनात आपके कदमों के नीचे नहीं आती है, तो आप मेरा नाम बदल सकते हैं।

अपने भाषण में उन्होंने कहा कि सरकार को राष्ट्रों के साथ चर्चा करने की कोई आवश्यकता नहीं है और पाकिस्तान उन्हें धमकियों के माध्यम से मजबूर कर सकता है। रिजवी की रैली लाहौर में आयोजित की गई थी और एसोसिएटेड प्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, इसमें कम से कम 12,000 लोग शामिल हुए थे। पिछले महीने स्टॉकहोम में तुर्की और स्वीडन के नाटो में शामिल होने की कोशिश के खिलाफ विरोध शुरू हो गया था, जिसमें कुरान की एक प्रति जलाना भी शामिल था। डेनिश दूर-दराज़ राजनीतिक दल हार्ड लाइन के नेता रैसमस पलुदान ने पहले स्टॉकहोम, स्वीडन में तुर्की के दूतावास के सामने कुरान की एक प्रति जलाई थी।

पाकिस्तान के पूर्व मंत्री शेख राशिद गिरफ्ता

- जरदारी पर इमरान की हत्या की साजिश का लगाया था आरोप

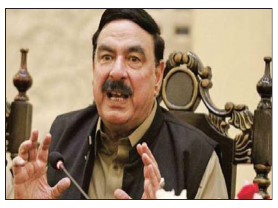

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी पर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाने के मामले में पुलिस ने पूर्व गृह मंत्री शेख राशिद अहमद को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया है। मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई। राशिद अवामी मुस्लिम लीग (एएमएल) के प्रमुख हैं जिसका खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के साथ गठबंधन है। घटना की पुष्टि करते हुए राशिद के भतीजे शेख राशिद शफीक ने बताया कि एएमएल प्रमुख को इस्लामाबाद में उनके घर से गिरफ्तार किया गया। पूर्व राष्ट्रपति जरदारी के खिलाफ की गई कथित टिप्पणी के आरोप में राशिद को गुरुवार को इस्लामाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया। पूर्व प्रधानमंत्री पर हुए हमले के बाद राशिद ने जरदारी पर पीटीआई प्रमुख इमरान खान की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया था। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) की रावलपिंडी इकाई के उपाध्यक्ष राजा इनायत-उर-रहमान द्वारा दायर एक पुलिस शिकायत पर राशिद को गिरफ्तार किया गया जिसमें राशिद ने 27 जनवरी को दिए गए एक टेलीविजन साक्षात्कार में आरोप लगाया था कि जरदारी ने खान की हत्या करने के लिए कुछ आतंकियों का सहारा लिया। राशिद ने दावा किया कि लगभग 300 से 400 पुलिसकर्मी उनके घर में घुस गए कर्मचारियों की पिटाई की और उन्हें जबरन अपने साथ ले गए। गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए खान ने कहा ?कि हमारे इतिहास में हमने कभी भी ऐसी पक्षपाती और प्रतिशोध लेने वाली कार्यवाहक सरकार नहीं देखी। एएमएल नेता के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में दावा किया गया है कि राशिद ने पूर्व राष्ट्रपति को बदनाम करने और उनके परिवार के लिए एक स्थायी खतरा पैदा करने की साजिश के तहत बयान दिया था।

पाकिस्तान से विवाद के बीच भारत की दो टूक, विश्व बैंक को सिंधु जल की व्याख्या का नहीं है अधिकार

नई दिल्ली/ इस्लामाबाद (एजेंसी)। सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान में विवाद लगातार जारी है। इन सब के बीच भारत ने कहा कि विश्व बैंक को न्यूट्रल एक्सपर्ट अप्वाइंट करने और कोर्ट ऑफ आरबिट्रेशन की प्रक्रिया शुरू करने संबंधी निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। बता दें कि पिछले हफ्ते, भारत ने विवादों से निपटने में इस्लामाबाद की ÷हठधर्मिता÷ के बाद सीमा पार नदियों के प्रबंधन के लिए 62 वर्षीय सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) की समीक्षा और संशोधन की मांग करते हुए पाकिस्तान को एक नोटिस जारी किया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि वे (विश्व बैंक) हमारे लिए संधि की व्याख्या करने की स्थिति में हैं। यह हमारे दोनों देशों के बीच एक संधि है और संधि के बारे में हमारा आकलन है कि इसमें श्रेणीबद्ध दृष्टिकोण का प्रावधान है।

विश्व बैंक द्वारा किशनगंगा और रातले पनबिजली परियोजनाओं पर मतभेदों को हल करने के लिए एक तटस्थ विशेषज्ञ और मध्यस्थता अदालत के अध्यक्ष की नियुक्ति की घोषणा के महीनों बाद भारत ने पाकिस्तान को नोटिस भेजने का महत्वपूर्ण कदम उठाया और संधि में संशोधन करने के अपने इरादे से अवगत कराया। नई दिल्ली विशेष रूप से मध्यस्थता अदालत की नियुक्ति पर निराश हुई है। बागची ने मामले पर एक सवाल का जवाब देते हुए एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि भारत के सिंधु जल आयुक्त ने 25 जनवरी को अपने पाकिस्तानी समकक्ष को 1960 की सिंधु जल संधि में संशोधन के लिए एक नोटिस जारी किया था। उन्होंने कहा, 'यह नोटिस पाकिस्तान को संधि के चल रहे भौतिक उल्लंघन को सुधारने के लिए सरकार से सरकार की बातचीत में प्रवेश करने का अवसर प्रदान करने के इरादे से जारी किया गया था। बागची ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान से 90 दिनों के भीतर संधि के अनुच्छेद 12 (III) के तहत अंतर-राज्यीय द्विपक्षीय वार्ता शुरू करने के लिए एक उपयुक्त तिथि अधिसूचित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'मुझे अभी तक पाकिस्तान की प्रतिक्रिया की जानकारी नहीं है। मुझे विश्व बैंक द्वारा किसी भी प्रतिक्रिया या टिप्पणी की जानकारी नहीं है।'

बांग्लादेश लेगा आईएमएफ से 4.7 बिलियन डॉलर कर्ज

-अभी श्रीलंका एवं पाकिस्तान चल रहे कंगाली की राह पर

बीजिंग (एजेंसी)। ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ की ओर से 4.7 बिलियन डॉलर के ऋण की मंजूरी दे दी गई है। विस्तारित फंड सुविधा के तहत 3.3 बिलियन डॉलर और नई लचीलापन और स्थिरता सुविधा के तहत 1.4 बिलियन डॉलर दिए जाएंगे। आईएमएफ ने कहा है कि बांग्लादेश आरएसएफ तक पहुंचने वाला पहला एशियायी देश है। कोई भी देश आईएमएफ के पास तब जाता है जब उसकी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से खराब चल रही हो। ठीक उसी तरह जैसा इस समय पाकिस्तान और श्रीलंका का हाल है। जब बांग्लादेश ने आईएमएफ से कर्ज के लिए आवेदन किया तो नागरिकों में चिंता थी। सवाल उठता है कि क्या बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पाकिस्तान के रास्ते पर चल पड़ी है?

बांग्लादेश ने आईएमएफ से एक स्टेबलाइजेशन यानी स्थिरीकरण पैकेज मांगा था लेकिन पाकिस्तान और श्रीलंका आईएमएफ से एक बेलआउट पैकेज मांग रहे हैं। बेलआउट पैकेज कोई भी देश तब मांगता है जब वह दिवालिया होने की स्थिति में पहुंच जाए जबकि स्टेबलाइजेशन पैकेज अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक सुधार के लिए होता है। आईएमएफ ने भी इस पैकेज पर कहा कि ये फंड व्यापक आर्थिक स्थिरता को बनाए रखने में मदद करेगा और कमजोर लोगों की रक्षा के लिए विघटनकारी समायोजन को रोकेगा। बांग्लादेश ने अर्थव्यवस्था में समस्या आने से पहले उसका इलाज शुरू कर दिया है। आम तौर पर आईएमएफ फंड के साथ किसी भी देश को नीति से जुड़े दिशानिर्देश भी देता है। संक्षेप में आईएमएफ किसी भी देश को लघु से मध्यम अवधि के वित्त पोषण की पेशकश करता है। वह उधार लेने वाले को धन वापस करने का एक लंबा समय देता है। उदाहरण के लिए विस्तारित फंड सुविधा (ईसीएफ) में आईएमएफ बिना किसी ब्याज के लोन देता है। इसे 10 साल के अंदर लौटाना होता है। यह पैसा इसलिए होता है कि देश अपनी अर्थव्यवस्था को इसके जरिए फिर शुरू कर सके। बांग्लादेश ने भले ही यह स्टेबलाइजेशन पैकेज लिया है लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि उसके पास पाकिस्तान की तरह अपने आयात खर्च को पूरा करने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार की कमी है। आम तौर पर अगर किसी देश के पास 3 महीने का आयात करने के बराबर विदेशी मुद्रा भंडार हो तो वह एक स्वस्थ भंडार माना जाता है। दिसंबर 2022 तक बांग्लादेश के पास 33.75 बिलियिन डॉलर का फंड है। बांग्लादेश इससे अपने चार महीने का आयात कर सकता है। बांग्लादेश यह ऋण अपनी अर्थव्यवस्था को सुरक्षित रखने के लिए ले रहा है। हर कर्ज लेने वाले देश को आईएमएफ की सिफारिश भी लागू करनी होती है।

आसियान के विदेश मंत्रियों की जकार्ता में बैठक, म्यांमा संकट पर होगी चर्चा

जकार्ता (एजेंसी)। दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के विदेश मंत्रियों की इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में शुक्रवार को बैठक होने जा रही है, जिसमें मुख्य रूप से म्यांमा में बिगड़ते हालात पर चर्चा की जाएगी। हालांकि, बैठक का एजेंडा खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा और वित्त तथा स्वास्थ्य में सहयोग पर केंद्रित है। म्यांमा 10 सदस्यीय दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संघ (आसियान) का सदस्य है। हालांकि, इस बार जकार्ता में यह वार्षिक बैठक म्यांमा के विदेश मंत्री वुना मॉन्ग ल्विन के बिना हो रही है। म्यांमा द्वारा आसियान नेताओं और म्यांमा के सैन्य शासक जनरल मिन आंग हेइंग के बीच 2021 में हुए पांच सूत्री समझौते को लागू करने में सहयोग न देने को लेकर उसके विदेश मंत्री को बैठक में शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई है। इस समझौते के तहत म्यांमा के सैन्य नेताओं ने आसियान के विशेष दूत को जेल में बंद नेता आंग सान सू ची से मुलाकात करने देने का वादा किया था। आसियान की अध्यक्षता संभालते हुए इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने पिछले महीने कहा था कि आसियान देश क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने तथा आर्थिक वृद्धि बनाए रखने के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में योगदान देना जारी रखेंगे। विडोडो ने कहा था, ''हम इस साल आर्थिक संकट, ऊर्जा संकट और खाद्य संकट के साथ युद्ध के संकट का सामना कर रहे हैं। आसियान हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लोगों के लिए आवश्यक और प्रासंगिक बना रहेगा।

चीन अब आसमान से कर रहा घुसपैठ, 'जासूसी' गुब्बारे के जरिए अमेरिकी हवाई क्षेत्र में घुसा ड्रेगन

इस्लामाबाद (एजेंसी)। चीन की मंशा से कोई भी अंजान नहीं है। चीन पूरे विश्व में राज करना चाहता हैं।साम्राज्यवाद की नीति के तहर वह धीरे-धीरे करके दूसरे देशों की जमीन में घुसता हैं। भारत की सीमाओं के साथ चीन पिछले लंबे समय से यही करता आ रहा हैं। इसी वजह से चीन और भारत के सीमाई रिश्ते काफी खराब दौर से गुजर रहे हैं। अब चीन की नजर अमेरिका पर पड़ी हैं। अमेरिका और चीन के बीच वर्चस्व की लड़ाई जारी हैं। चीन दुनिया को लीड करने की मंशा को आगे बढ़ाते हुए अब अमेरिका के पीछे पड़ गया हैं। चीन ने अमेरिका की जासूसी करने के लिए हवा का सहारा लिया हैं और उसके हवाई क्षेत्र में घुस गया।

एक संदिग्ध चीनी जासूसी गुब्बारे को अमेरिकी हवाई क्षेत्र में देखा गया था। अमेरिका ने इस चीनी गुब्बारे को तुरंत पकड़ लिया लेकिन पेंटागन ने इसे नीचे नहीं गिराने का फैसला किया क्योंकि इससे जमीन पर लोगों को नुकसान हो सकता था। हवा में तैरते 'जासूसी' गुब्बारे ने अमेरिका-चीन संबंधों पर और तनाव पैदा कर दिया है। एक वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा कि पेंटागन को पूरा भरोसा है कि चीनी गुब्बारा सूचना एकत्र करने के लिए ÷संवेदनशील स्थलों÷ पर उड़ रहा था। गुब्बारे को मोंटाना में देखा गया था, जो मालमस्ट्रॉम वायु सेना बेस में देश की तीन परमाणु मिसाइल प्रक्षेपण सुविधाओं में से एक है।

सरकार एक गुब्बारे पर नज़र रख रही है जो 'वर्तमान में वाणिज्यिक हवाई यातायात से काफी ऊपर की ऊंचाई पर यात्रा कर रहा है और जमीन पर लोगों के लिए सैन्य या शारीरिक खतरा पेश नहीं करता है'। पेंटागन ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि इसी तरह के गुब्बारों को अतीत में भी देखा गया है और अमेरिका ने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि वह संवेदनशील जानकारी एकत्र न करे।

'जासूस' गुब्बारे की घटना अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के चीनी दौरे के कुथ दिनों बाद हुई। कुछ आम जमीन खोजने की कोशिश करने के लिए इस सप्ताह के अंत में वह बीजिंग की अपनी पहली यात्रा करने वाले थे। हालाँकि यात्रा की औपचारिक घोषणा नहीं की गई है, बीजिंग और वाशिंगटन दोनों ही उनके आसन्न आगमन की बात कर रहे हैं। यह तुरंत स्पष्ट नहीं था कि गुब्बारे की खोज ब्लिंकन की यात्रा योजनाओं को प्रभावित करेगी या नहीं।

मोंटाना पर गुब्बारा

अमेरिका को गुब्बारे को मार गिराने के लिए तैयार स्न-22 सहित लड़ाकू जेट मिले, लेकिन पेंटागन ने इसके खिलाफ सिफारिश की क्योंकि इसका आकार इतना बड़ा मलबे का क्षेत्र बना देगा कि यह मोंटाना में लोगों को जोखिम में डाल सकता था।

यह स्पष्ट नहीं था कि संवेदनशील जानकारी एकत्र करने से रोकने के लिए सेना क्या कर रही थी या गुब्बारे के साथ क्या होगा यदि इसे मार गिराया नहीं गया। अधिकारी ने गुब्बारे के आकार को निर्दिष्ट नहीं किया, लेकिन कहा कि यह काफी बड़ा था, इसकी

ऊँचाई के बावजूद, वाणिज्यिक पायलट इसे देख सकते थे।

कुछ मोंटाना निवासियों ने 'आकाश में बड़े सफेद घेरे' की तस्वीरें लीं। लेकिन पेंटागन इस बात की पुष्टि नहीं करेगा कि क्षेत्र के ऊपर लटका हुआ बड़ा सफेद गुब्बारा निगरानी गुब्बारा था या नहीं। एक मोंटाना निवासी ने एपी को बताया, मुझे लगा कि शायद यह एक वैध यूएफओ था। मोंटाना के गवर्नर ग्रेग जियानफोर्टे ने एक बयान में कहा, जासूसी के गुब्बारे से लेकर चीनी कम्युनिस्ट पार्टी तक टिकटॉक के माध्यम से अमेरिकियों पर जासूसी करने से लेकर अमेरिकी कृषि भूमि खरीदने वाली सीसीपी से जुड़ी कंपनियों तक, मैं अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरनाक विकास की निरंतर धारा से बहुत परेशान हूं।

सुप्रीम कोर्ट में जल्द होगी पांच नए जजों की नियुक्ति, केंद्र सरकार जल्द देगी इन नामों को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम द्वारा दिसंबर में सिफारिश की गई पांच नामों को जल्द ही मंजूरी दी जाएगी और उनकी नियुक्ति के लिए मुहर जल्द ही लग जाएगी। सूत्रों ने कहा कि सूची में तीन उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों और दो उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के नाम शामिल है, जिनकी उच्चतम न्यायालय में पदोन्नति के लिए सिफारिश की गई है। पिछले साल 13 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति पंकज मिथल, न्यायमूर्ति संजय करोल, मुख्य न्यायाधीश, पटना उच्च न्यायालय, पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति पी वी संजय कुमार, मुख्य न्यायाधीश, मणिपुर उच्च न्यायालय, पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के लिए सरकार से सिफारिश की थी। पांचों के शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने के बाद इसकी कार्य संख्या 32 हो जाएगी। शीर्ष अदालत की स्वीकृत शक्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश सहित 34 है। इसकी वर्तमान कार्य शक्ति 27 है। 31 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने शीर्ष अदालत के न्यायाधीशों के रूप में न्यायमूर्ति राजेश बिंदल, मुख्य न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, मुख्य न्यायाधीश, गुजरात उच्च न्यायालय में पदोन्नति के लिए दो और नामों की सिफारिश की है।

बीएसएफ ने पंजाब सीमा पर पाकिस्तानी ड्रोन मार गिराया

–ड्रोन से हेरोइन का 3 किलोग्राम वजन का एक पैकेट मिला

अमृतसर। सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ ने पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा के रास्ते भारत में मादक पदार्थ लेकर घुस रहे एक पाकिस्तानी ड्रोन को बृहस्पतिवार देर रात मार गिराया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पंजाब के अमृतसर सेक्टर में रियर कक्कर सीमा चौकी के पास देर रात करीब ढाई बजे एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया गया। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि ड्रोन शुक्रवार सुबह सीमा पर बाड़ और जीरो लाइन के बीच बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि ड्रोन से संदिग्ध हेरोइन का तीन किलोग्राम वजन का एक पैकेट मिला है।

अखिलेश यादव के काफिला में हादसा, चार गाड़ियां आपस में टकराईं, कई लोग जख्मी

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। यूपी के हरदोई में उनकी कारों के काफिले का एक्सीडेंट हो गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार फरहत नगर रेलवे क्रॉसिंग के पास समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के काफिले के कई वाहन आपस में टकरा गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सपा प्रमुख कथित तौर पर अपने कार्यक्रम के साथ आगे बढ़ गए हैं। बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हरदोई के हरपालपुर क्षेत्र के बैठापुर गांव में एक मांगलिक समारोह में शामिल होने जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक अचानक सड़क के सामने कुछ आ गया। इसके एक वाहन ने ब्रेक लगाया और दूसरा वाहन आपस में टकरा गया। हालांकि इस हादसे में अखिलेश की कार को कोई नुकसान नहीं हुआ है। उनके पीछे चल रहे वाहन आपस में टकरा गए है। इससे काफिले में चल रहे आधा दर्जन वाहन आपस में टकरा गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस व अन्य आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। एएसपी पूर्वी अनिल कुमार यादव ने बताया कि अखिलेश यादव के काफिले का पीछा कर रहे उनके समर्थकों के वाहन आपस में टकरा गए। बताया जाता है कि पूर्व मुख्यमंत्री दोपहर करीब दो बजे मल्लावां में कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर हरपालपुर क्षेत्र के बैठापुर गांव के लिए रवाना हो रहे थे। माधौगंज कस्बे के फरहतनगर क्रासिंग मोड़ के पास काफिले में दौड़ रहे तेज रफ्तार वाहन मोड़ के पास अचानक पीछे से आपस में टकरा गये।

निक्की हेली ने 15 फरवरी को 'विशेष घोषणा' के लिए भेजे निमंत्रण

नई दिल्ली । प्रमुख भारतीय-अमेरिकी राजनीतिज्ञ निक्की हेली ने अपने समर्थकों और शुभचिंतकों को 15 फरवरी को एक विशेष घोषणा में शामिल होने के लिए निमंत्रण भेजा है। उम्मीद है कि इस दौरान वह 2024 में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के नामांकन के लिए अपनी दावेदारी की घोषणा करेंगी। हेली (51) दो बार दक्षिण कैरोलीना की गवर्नर और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत रह चुकी है। उन्होंने बुधवार को भेजे गए निमंत्रण पत्र में कहा है कि मैं आपको 15 फरवरी को चार्ल्सटन में एक विशेष घोषणा में शामिल होने के लिए आमंत्रित करना चाहती हूं। राजनीतिज्ञ निक्की हेली ने कहा कि यदि आप इस निमंत्रण को स्वीकार कर लेते हैं तो यह बहुत मायने रखता है। यह भविष्य के लिए मेरी योजनाओं के बारे में सुनने का एक अच्छा अवसर होगा और मैं नहीं चाहती कि आप इसे जाने दें। अगर वह राष्ट्रपति पद के लिए दावेदारी करती हैं तो हेली अपने पूर्व बॉस (ट्रंप) के खिलाफ मुकाबले में उतरने वाली पहली दावेदार होंगी। ट्रंप वर्तमान में अपनी पार्टी की तरफ से 2024 में राष्ट्रपति पद के नामांकन के लिए दावेदारी करने वाले एकमात्र रिपब्लिकन हैं। ट्रंप (76) ने पिछले साल व्हाइट हाउस के लिए अपनी दावेदारी पेश की थी। यह चुनाव पांच नवंबर 2024 को होगा। राष्ट्रपति पद के चुनाव में प्रवेश करने से पहले हेली को रिपब्लिकन पार्टी के प्राथमिक (प्राइमरी) चुनाव में जीत हासिल करनी होगी जो अगले साल जनवरी में शुरू होगा।

102 साल की बुजुर्ग महिला अंतिम संस्कार के समय खोल दी आंखें

–7 घंटे से थमी थी सांसें गांव के लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा

रुड़की । उत्तराखंड के रुड़की में चौंकाने वाला मामला सामने आया है। दरअसल मंगलौर क्षेत्र के नारसन खुर्द गांव में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई थी जिसके अंतिम संस्कार की तैयारियां चल ही रही थी सभी रिश्तेदार भी अंतिम संस्कार के लिए पहुंच चुके थे लेकिन अचानक मृतक के शरीर में हरकत देख सभी हैरत में पड़ गए। किसी को अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ लेकिन जब मृतका बुजुर्ग महिला ने आंखें खोली तो वहां पर मौजूद सभी लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। आज हम आपको एक ऐसे करिश्मे से रूबरू कराएंगे कि आप भी सुनकर हैरान रह जाएंगे। मामला मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के जहां एक गांव में एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है। मंगलौर क्षेत्र के नारसन खुर्द निवासी विनोद की 102 वर्षीय माता ज्ञान देवी पिछले कुछ समय से बीमार चल रही थी। जानकारी मिली है कि अचानक बुजुर्ग महिला बेहोश हो गई जिसके बाद परिजनों ने डॉक्टर को बुलाया। डॉक्टर ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। इस खबर के बाद परिजनों में मातम का माहौल हो गया। परिजनों ने उनकी मौत की खबर अपने सभी रिश्तेदारों को दी जिसके बाद सभी रिश्तेदार और ग्रामीण उनके घर पर जमा हो गए। महिला के अंतिम संस्कार की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं जैसे ही शव को अंतिम संस्कार के लिए लेकर जाने वाले थे तो अचानक उनके शरीर में कुछ हरकत महसूस होने लगी। जब उन्हें जोर से हिलाया डुलाया गया तो उन्होंने आंखें खोल दी। अंतिम संस्कार से पहले जिंदा हुई 102 साल की वृद्ध महिला से जब परिवार वालों ने खाने के लिए पूछा तो उन्होंने चाट खाने के लिए हां कर दी। इसके बाद महिला को गुरुकुल से चाट लाकर खिलाई गई। महिला पहले की तरह बात करने लगी। महिला के पौत्र ने बताया कि उनकी दादी करीब सात घंटे मृत रहीं जिसके बाद अचानक उनकी सांसें चलने लगी और घर में खुशी का माहौल हो गया। वहीं महिला के होश में आते ही जहां कुछ देर पहले चीख-पुकार मची हुई थी तो वहीं अचानक खुशी का माहौल बन गया। विनोद का कहना है कि उनकी माता परिवार ही नहीं बल्कि पूरे गांव में सबसे बुजुर्ग महिला हैं।

पांच बार नमाज पढ़ो फिर चाहे जो भी पाप करना है करो: बाबा रामदेव

– कहा– अच्छे से जीवन जीना सिखाता है सनातन धर्म

बाड़मेर (एजेंसी)। योगगुरु बाबा रामदेव ने एक बार फिर इस्लाम और नमाज को लेकर आपत्तिजनक बातें कहीं हैं जिस पर विवाद बढ़ सकता है। राजस्थान के बाड़मेर में बाबा रामदेव ने कहा कि इस्लाम में नमाज पढ़ने के बाद कुछ भी कर लेने की छूट दी जाती है। उन्होंने कहा कि मुसलमानों के पहनावे और दाढ़ी-मूंछ तक पर भी टिप्पणी की है। उन्होंने ईसाई धर्म को लेकर भी टिप्पणी की और सनातन धर्म सिखाता है कि अच्छे से जीवन कैसे जीना चाहिए। बाबा रामदेव ने कहा कि मुसलमान से पूछो कि धर्म क्या है। वह कहेगा कि पांच बार नमाज पढ़ो फिर जो मन में आए करो। चाहे हिंदुओं की बेटी उठाकर लाओ। चाहे जो पाप भी करना है करो। वह इस्लाम का मतलब नमाज समझते हैं। नमाज जरूर पढ़ेंगे क्योंकि उनको यही सिखाया गया है कि नमाज पढ़ो बाकी जो करना है करो। आतंकवादी बनना है बनें अपराधी घने बन गए। नमाज जरूर पढ़नी नमाज पढ़ो और जो मन में आए करो। ऐसा हिंदु धर्म नहीं है। ईसाई क्या सिखाते हैं। चर्च में जाओ ईसा मसीह के सामने खड़े हो जाओ सारे पाप नष्ट।

बाबा रामदेव यहीं नहीं रुके। उन्होंने जहन्नुम का जिक्र करते हुए मुसलमानों के पहनावे पर भी टिप्पणी की और कहा कि वह पूरी दुनिया को इस्लामिक बनाना चाहते हैं। रामदेव ने कहा कि स्वर्ग का मतलब है टखने के ऊपर पायजामा पहनो मूंछ कटवा लो टोपी पहन लो ऐसा कुरान या इस्लाम कहता है मैं ऐसा नहीं कह रहा हूं लेकिन ऐसा ही कर रहे हैं लोग। फिर तुम्हारी जन्नत में तुम्हारी जगह पक्की। जन्नत में हूर मिले। ऐसी जन्नत तो जहन्नुम से भी बेकार है। फिर भी लोग मूंछ कटवा रहे हैं और सिर पर टोपी रख रहे हैं बस पागलपन है इस्लाम... इस्लाम... महान। सारी दुनिया को इस्लाम में तब्दील करना है। लोग इसी चक्कर में पड़े हैं।

रामदेव ने कहा कि सनातन धर्म अच्छे से जीवन जीना सिखाता है। उन्होंने कहा कि कोई कहता है कि पूरी दुनिया को इस्लाम में तब्दील करेंगे कोई कहता है कि पूरी दुनिया को ईसाईयत में तब्दी करेंगे। मैं कहता हूं कि करके करोगे क्या यह तो बताओ कोई एजेंडा नहीं है। सनातन धर्म का एजेंडा है सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठो सुबह उठकर भगवान राम का नाम लो योग करो और अपने अराध्य धर्म की पूजा करके फिर कर्मयोग और अच्छे काम करो। यह हिंदू धर्म और सनातन धर्म सिखाता है। सनातन धर्म अच्छे से जीवन जीना सिखाता है। हमारे आचार-विचार में सात्विकता होनी चाहिए। लड़ाई-झगड़ा हिंसा झूठ बेइमानी नहीं करना।

कंझावला कांड : जिस समय एक्सीडेंट हुआ उस वक्त अत्यधिक नशे में थी अंजलि विसरा रिपोर्ट से हुआ खुलासा

नई दिल्ली। दिल्ली के कंझावला कांड में मृतका अंजलि सिंह की विसरा रिपोर्ट से एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। अंजलि की विसरा रिपोर्ट दिल्ली पुलिस को मिल गई है। रिपोर्ट में सामने आया है कि जिस वक्त अंजलि सिंह का एक्सीडेंट हुआ उस वक्त वह अत्यधिक नशे में थी। ज्ञात हो कि नए साल की देर रात को एक बलेनो कार सवार युवकों ने 20 वर्षीय युवती अंजलि सिंह की स्कूटी को टक्कर मार दी थी। इसके बाद वह कार के नीचे फंस गई और कार सवार उसे करीब 12 किलोमीटर तक घसीटते रहे। बाद में अंजलि कंझावला में एक सड़क पर वह निर्वस्त्र अवस्था में मृत पाई गई थी। हादसे के वक्त स्कूटी पर अंजलि और उसकी दोस्त निधी सवार थी जो टक्कर लगने के बाद वहां से भाग गई थी। अंजलि की मौत के बाद उसकी दोस्त निधि ने बताया था कि 31 दिसंबर की रात अंजलि ने काफी ज्यादा शराब पी हुई थी। पुलिस ने अंजलि के पोस्टमॉर्टम के दौरान उसका विसरा जांच के लिए भेजा था और पिछले हफ्ते ही अंजलि की विसरा रिपोर्ट दिल्ली पुलिस को मिली है।

जी20 की अध्यक्षता के दौरान भारत 'ग्लोबल साउथ' की चिंताओं को रखेगा: जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि जी20 समूह की अध्यक्षता के दौरान यह उम्मीद की जाती है कि भारत 'ग्लोबल साउथ' की चिंताओं को सामने रखेगा और समकालीन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में ध्रुवीकरण के मुद्दे पर आम-सहमति बनाने में सहयोग करेगा। लोकसभा में टी आर बालू के प्रश्न के लिखित उत्तर में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि जी20 समूह की भारत की अध्यक्षता के दौरान देशभर में 50 से अधिक शहरों में लगभग 200 बैठकें आयोजित होंगी। उन्होंने कहा कि इसमें 30 विभिन्न कार्यसमूह वार्ता सत्र आयोजित करेंगे जिनमें शेरपा ट्रैक कार्य समूह, फाइनांस ट्रैक कार्य समूह, और सहभागिता समूह के सत्र समेत मंत्रालयी बैठकें शामिल हैं।

जयशंकर ने बताया, ''जी20 समूह के नेताओं के शिखर सम्मेलन का आयोजन 9-10 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली में करना निर्धारित किया गया है।'' उन्होंने कहा कि सरकार का मानना है कि जी20 की अध्यक्षता भारत की उपलब्धियों, क्षमताओं और विविधता को प्रदर्शित करने का एक विशेष अवसर है। विदेश मंत्री ने कहा कि इस गौरवपूर्ण अवसर को एक राष्ट्रीय अवसर के रूप में मनाया जा रहा है, स्वाभाविक रूप से इन्हें विभिन्न राज्य सरकारों के परामर्श से आयोजित किया जा रहा है और विभिन्न राजनीतिक दलों को भी तैयारी की प्रक्रिया से जोड़ा गया है। जयशंकर ने कहा, ''यह समग्र प्रयास सहकारी संघवाद के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।''

उन्होंने कहा कि हमारी जी20 समूह की अध्यक्षता के दौरान उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों से संबंधित महत्वपूर्ण विचार विमर्श में, समावेशी और अनुकूल विकास, टिकाऊ विकास लक्ष्य (एसडीजी) संबंधी प्रगति, हरित विकास एवं पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली (मिशन लाइफ), प्रौद्योगिकी परिवर्तन और सार्वजनिक डिजिटल आधारभूत ढांचा, बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार, महिलाओं के नेतृत्व में विकास एवं अंतरराष्ट्रीय शांति और सद्भाव शामिल हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि जी20 की हमारी अध्यक्षता के दौरान होने वाले विचार-विमर्श के फलस्वरूप इन क्षेत्रों से संबंधित परिणाम सामने आयेंगे।

हरिद्वार में चला सिंचाई विभाग का बुलडोजर भड़क उठा संत समाज

– निर्मोही अखाड़ा के संतों ने दिया सिंचाई विभाग के खिलाफ धरना

हरिद्वार (एजेंसी)।हरिद्वार में यूपी सरकार का बुलडोजर चलने पर संत समाज नाराज हो गया है। बैरागी कैंप में अतिक्रमण पर कार्रवाई से नाराज पंचायती अखाड़ा निर्मोही के संतों ने गुरुवार को सिंचाई विभाग के खिलाफ धरना दिया। धरने पर बैरागी संतों के साथ संन्यासी अखाड़ों के संत भी शामिल हुए। संतों ने यूपी सिंचाई विभाग के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि 13 फरवरी तक गेट को दोबारा नहीं बनवाया गया तो हाईकोर्ट भी जाएंगे और भूख हड़ताल भी होगी। धरने पर पहुंचे श्रीचेतन ज्योति आश्रम के अध्यक्ष महंत ऋषिश्वरानन्द व नीलेश्वर मंदिर के अध्यक्ष महंत प्रेमदास महाराज ने कहा कि बैरागी कैंप में छह सौ अठावन के लगभग परिवारों के साथ तीनों बैरागी अखाड़ों के संत भी निवास करते हैं। लेकिन यूपी सिंचाई विभाग बार-बार बैरागी अखाड़ों को ही निशाना बनाता है। अतिक्रमण के नाम पर उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग द्वारा बुलडोजर से अखाड़े के गेट को तोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि संतों का उत्पीड़न करने की कार्रवाई को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में संतों की यूपी सिंचाई विभाग के अधिकारियों से वार्ता हुई है। अधिकारियों ने तोड़े गए गेट को दोबारा बनवाने का आश्वासन दिया है। यदि गेट दोबारा नहीं बनाया गया तो संत समाज हाईकोर्ट से गुहार लगाएगा।

महामंडलेश्वर हरिचेतनानन्द और महामंडलेश्वर महंत महेंद्रदास ने कहा कि संतों का उत्पीड़न सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्राचीनकाल से ही वैष्णव संत बैरागी कैंप में कुटिया बनाकर भजन कीर्तन और धर्म के प्रचार-प्रसार में योगदान कर रहे हैं लेकिन यूपी सिंचाई विभाग संतों का उत्पीड़न कर रहा है। निर्मोही अखाड़े के सचिव महंत गोविंद दास व स्वामी पवित्रदास पुजारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग द्वारा बार बार बैरागी अखाड़ों में बुलडोजर की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि यूपी सिंचाई विभाग मर्यादा भंग न करे। महंत विष्णु दास ने कहा कि यूपी सिंचाई विभाग ने बिना नोटिस के ही तोड़फोड़ की कार्रवाई की है जिसका पूरा संत समाज विरोध करता है। इस तरह की कार्रवाई को कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। धरना देने वालों में बाबा हठयोगी महंत प्रेमदास महंत रघुवीर दास महंत बिहारी शरण महंत सूरज दास महंत अंकित शरण महंत प्रह्लाद दास महंत दुर्गादास स्वामी शिवानन्द महंत जसविन्दर सिंह स्वामी पवित्रदास पुजारी महंत प्रमोद दास सहित बड़ी संख्या में संत मौजूद रहे।

डबल इंजन सरकार ने बदली त्रिपुरा की तस्वीर और तकदीर: जेपी नड्डा

अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने पूरी तरह से कमर कस ली है। जीत के लिए भाजपा ने अपने वरिष्ठ नेताओं, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को मैदान में उतारना शुरू कर दिया है। इसकी शुरुआत आज से हो गई है। भाजपा अध्यक्ष जेपी. नड्डा ने अगरतला में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार ने त्रिपुरा की तकदीर और तस्वीर को बदल दिया है। इस रैली में भारी संख्या में आपका जुटना ये संदेश दे रहा है कि त्रिपुरा विकास के पथ पर आगे बढ़ चुका है और अब ये नहीं रुकेगा। 9 साल पहले भारत कैसा था? घुटने टेकने वाला भारत था, फैसला नहीं लेने वाला भारत था, भ्रष्टाचारी देशों में शामिल था, आए दिन भ्रष्टाचार हुआ करते थे लेकिन पिछले 9 साल में ये आकांक्षाओं का भारत बन गया है। भारत अब दुनिया में खुद को स्थापित करते हुए मज़बूत राष्ट्र दिखता है।

जेपी नड्डा ने कहा कि यह अब पुराना त्रिपुरा नहीं रहा, आकांक्षाओं और उपलब्धियों से भरा 'नया त्रिपुरा' है। डबल इंजन की सरकार ने वाकई राज्य की तस्वीर बदल दी है। नरेंद्र मोदी जी नॉर्थ-ईस्ट के संरक्षक रहे हैं और वे हमेशा इस क्षेत्र के विकास के लिए चिंतित रहे हैं। भाजपा के राज में त्रिपुरा समृद्ध हुआ है; यात्रा जारी रहेगी और राज्य अब अधिक से अधिक समृद्धि को गले लगाएगा। केंद्रीय बजट 2023-24, भारत के विकास का खाका है 'अमृत काल' का पहला बजट; यह देश की अर्थव्यवस्था को वास्तव में समावेशी और सशक्त बनाने की आकांक्षाओं और ढांचे से भरा है। यह बजट महिला सशक्तिकरण के लिए, युवाओं को अवसर प्रदान करने के लिए, समाज के कमजोर वर्गों को मजबूत करने के लिए एक आधार प्रदान करता है; यह लोगों की जरूरतों का ख्याल रखने वाला बजट है, जिसमें 'किसी को पीछे न छूटने' की दिशा में आगे बढ़ाया गया है।

असम सरकार ने बाल विवाह के खिलाफ शुरू की व्यापक मुहिम 1800 लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी (एजेंसी)।मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बताया कि असम पुलिस ने बाल विवाह के खिलाफ व्यापक मुहिम के तहत अब तक 1800 लोगों को गिरफ्तार किया है। सरमा ने यहां एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों को बताया कि राज्य भर में शुक्रवार सुबह से मुहिम शुरू की गई और यह अगले तीन से चार दिन तक जारी रहेगी। राज्य मंत्रिमंडल ने 23 जनवरी को यह फैसला किया था कि बाल विवाह के दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा और साथ ही व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा।

इस घोषणा के एक पखवाड़े से भी कम समय में पुलिस ने बाल विवाह के 4004 मामले दर्ज किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुहिम जारी है और गिरफ्तारी के संदर्भ में शाम तक स्पष्ट तस्वीर सामने आ जाएगी और उन जिलों का भी पता चला जाएगा जहां ऐसे मामले हुए हैं। अब तक सबसे अधिक 136 गिरफ्तारियां धुबरी से हुई हैं जहां सबसे अधिक 370 मामले दर्ज हुए हैं।

इसके बाद बारपेटा में 110 और नागांव में 100 गिरफ्तारियां हुई हैं। 14 साल से कम उम्र की लड़कियों से विवाह करने वालों के खिलाफ यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत मामला दर्ज किया जाएगा और 14-18 साल की लड़कियों से विवाह करने वालों के खिलाफ बाल विवाह रोकथाम अधिनियम 2006 के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा और विवाह को अवैध घोषित किया जाएगा। अगर लड़के की उम्र भी 14 साल से कम होगी तो उसे सुधार गृह भेजा जाएगा क्योंकि नाबालिगों को अदालत में पेश नहीं किया जा सकता। शर्मा ने पहले कहा था कि ऐसे विवाह में शामिल पुजारी काजी और परिवार के सदस्यों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया असम सरकार राज्य में बाल विवाह को खत्म करने के अपने संकल्प के लिए दृढ़ है।

कैप्टन अमरिंदर की पत्नी परनीत कौर पर गिरी गाज ! भाजपा का 'जासूस' बताकर कांग्रेस ने किया सस्पेंड

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को अपनी लोकसभा सांसद परनीत कौर, जो पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की पत्नी हैं, को भाजपा के पक्ष में कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए निष्कासित कर दिया। पार्टी ने कहा कि कांग्रेस प्रमुख को राज्य के कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वारिंग से शिकायत मिलने के बाद उन्हें अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति (डीएसी) द्वारा निष्कासित कर दिया गया था।

पार्टी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा माननीय कांग्रेस अध्यक्ष को श्री अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, अध्यक्ष, पीसीसी पंजाब से एक शिकायत मिली है जिसमें आरोप लगाया गया है कि पटियाला से सांसद (लोकसभा) परनीत कौर भाजपा की मदद करने के लिए पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं। पंजाब के कुछ अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी इस विचार को साझा करते हैं। शिकायत को आवश्यक कार्रवाई के लिए एआईसीसी की अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति को भेजा गया था। डीएसी ने सावधानीपूर्वक इस पर विचार किया और निर्णय लिया कि श्रीमती। पटियाला से सांसद (लोकसभा) परनीत कौर को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निलंबित किया जाना चाहिए। परनीत को तीन दिनों के भीतर कारण बताने को भी कहा गया है।

कांग्रेस नेता तारिक अनवर ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'पार्टी को परनीत कौर के बारे में नियमित शिकायतें मिल रही थीं और पार्टी की राज्य इकाई उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग कर रही थी। पार्टी की अनुशासन समिति ने उन्हें निलंबित करने का फैसला किया। उन्हें कारण बताओ नोटिस दिया गया।'

कैप्टन अमरिंदर सिंह, जो वर्तमान में भाजपा में हैं, ने आधिकारिक तौर पर नवंबर 2021 में कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया। अपने त्यागपत्र में कैप्टन अमरिंदर सिंह ने लिखा है, 'मैं वास्तव में आपके और आपके बच्चों के आचरण से बहुत आहत महसूस कर रहा हूं, जिन्हें मैं अभी भी अपने बच्चों जितना प्यार करता हूं, उनके पिता को जानने के बाद से, जब से हम 1954 से एक साथ स्कूल में हैं। जो अब 67 साल के लिए है।'

बाद में उन्होंने पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले अपनी खुद की पार्टी-पंजाब लोक कांग्रेस - का गठन किया, जिसका चुनावों के बाद भाजपा में विलय कर दिया गया। उन्होंने पिछले साल सितंबर में अपनी पार्टी का भाजपा में विलय कर दिया था।

मेल- मैसेज भेज कर आतंकवादी हमला करने वाली रणनीति पर वापस लौटे आतंकी? तालिबान से जुड़े संदिग्ध ने भेजी मुंबई को दहलाने की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के मुंबई कार्यालय को गुरुवार को एक ईमेल मिला जिसमें धमकी दी गई थी कि एक व्यक्ति आर्थिक राजधानी में आतंकी हमला करेगा। ईमेल में दावा किया गया है कि तालिबान से जुड़ा एक व्यक्ति मुंबई में हमले को अंजाम देगा। धमकी के बाद, शहर की पुलिस और महाराष्ट्र आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) को सतर्क कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, धमकी भरे संदेश भेजने के लिए इस्तेमाल किए गए ईमेल पते में 'सीआईए' था और भेजने वाले ने दावा किया कि तालिबान से संबंध रखने वाला एक व्यक्ति शहर में हमला करेगा। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि प्रेषक का आईपी (इंटरनेट प्रोटोकॉल) पता पाकिस्तान का है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि, पुलिस को संदेह है कि यह शरारत हो सकती है, क्योंकि इस तरह के ईमेल पहले भी जांच एजेंसी को भेजे गए थे। संघीय एजेंसी को पिछले महीने इसी तरह का एक ईमेल मिला था। पीटीआई ने बताया कि पुलिस ने जांच की और इसमें कोई पदार्थ नहीं मिला।

मुंबई में होने वाला है आतंकी हमाला?

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को मिली एक 'ई-मेल' में दावा किया गया है कि तालिबान से संबद्ध एक व्यक्ति मुंबई में ''हमला'' करने वाला है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि जांच एजेंसी के मुंबई कार्यालय को बृहस्पतिवार को यह धमकी भरा 'ई-मेल' मिला, जिसके बाद महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) और शहर की पुलिस को इसकी जानकारी दी गई।

पुलिस को भेजा गया तालिबानी लिंक वाला मेल

पुलिस के अनुसार, 'सीआईए' वाले ईमेल आईडी से भेजे गए इस संदेश में भेजने वाले ने दावा किया है कि तालिबान से संबद्ध एक व्यक्ति शहर में हमला करेगा। अधिकारी ने कहा कि भेजने वाले का आईपी

(इंटरनेट प्रोटोकॉल) पता पाकिस्तान का है। उन्होंने बताया कि संघीय एजेंसी को ऐसा 'ई-मेल' पिछले महीने भी भेजा गया था। हालांकि पुलिस की जांच में 'ई-मेल' की बात झूठी साबित हुई थी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को इसके पीछे किसी शरारत के होने का संदेह है, क्योंकि पूर्व में भी एजेंसी को ऐसे 'ई-मेल' कई बार भेजे गए हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्नेहा डाइंग मिल में अचानक लगी आग, दूर-दूर तक फैल रहा धुआं

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के सचिन जीआईडीसी इलाके में आग लगने की घटना सामने आई है। सचिन जीआईडीसी क्षेत्र में रोड नंबर 2 स्थित डाइंग मिल में अचानक आग लग गई। घटना की सूचना दमकल विभाग को देने के बाद शहर के चार दमकल केंद्रों की टीमों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। गनीमत यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

सचिन जीआईडीसी डाइंग मिल में आग सूरत के सचिन जीआईडीसी इलाके में स्थित एक डाइंग मिल में अचानक आग लग गई। सचिन जीआईडीसी रोड नंबर 2 पर स्नेहा डाइंग मिल में अचानक आग लग गई। मिल में आग लगने की सूचना कर्मचारी को मिलने के बाद मिल में भगदड़ मच गई। घटना की जानकारी होने पर दमकल की गाड़ी आग पर काबू पाने के लिए मौके पर पहुंची।

घटना की सूचना पर छह फायर स्टेशनों की टीम मौके पर पहुंची सचिन जीआईडीसी

स्थित स्नेहा डाइंग मिल में आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की बड़ी टीम मौके पर पहुंच गई. आग पर काबू पाने के लिए शहर के चार दमकल केंद्रों की टीमें मौके पर पहुंचीं। आग पर काबू पाने के लिए शहर के डनभाल, मन दरवाजा, डिंडोली और भेस्तान दमकल केंद्रों की टीमें मौके पर पहुंचीं। इसके अलावा सचिन जीआईडीसी और कलर टैक्स कंपनी की दमकल भी आग पर काबू पाने के लिए मौके पर पहुंच गई। आग बुझाने के लिए 15 से ज्यादा दमकल की टीम मौके पर पहुंची।

दूर-दूर तक दिखा धुआं सचिन जीआईडीसी में रोड नंबर 2 स्थित स्नेहा डाइंग मिल में आग लगने से दूर-दूर तक धुएं के गुबार दिखाई दे रहे थे. आग लगने के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। इस आग का कारण ज्ञात नहीं है। हालांकि दमकल टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। गनीमत यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

सूरत नगर निगम अधिकारी को धमकी: 'तुम मुझे नहीं जानते, एसीबी में शिकायत दर्ज कराकर फंसा दूंगा'

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत नगर निगम के दक्षिण क्षेत्र के शहरी विकास विभाग में कार्यरत सहायक अभियंता के कार्यालय में एक लाइसेंसी प्लंबर घुस आया और उसे धमकी दी कि 'तुम मुझे नहीं जानते, मैं तुम्हारी नौकरी खा लूंगा, एसीबी से शिकायत कर फंसाऊंगा' आप'। घटना के बाद सहायक अभियंता ने उधना थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

मनपा अधिकारी को एसीबी में फंसाने की धमकी देने के बाद सूरत नगर निगम के साउथ

जोन उधना में सूरत के रांदर मोड़ भागल निवासी रमीजराजा मोहमंद यास्मीन मुंशी (उम्र 38) नगर विकास विभाग में सहायक अभियंता के पद पर कार्यरत है. एक जनवरी को वह कंप्यूटर कार्यालय में काम कर रहा था। उस समय सूरत नगर निगम के लाइसेंसधारी प्लंबर असरफखान हामिदखान पठान (निवास, गोपीपुरा, सूरत) कार्यालय में आए और यह कहकर अवधि बिता दी कि आप मेरा काम नहीं कर रहे हैं और आप मुझे नहीं जानते, मैं आपकी नौकरी खा लूंगा, शिकायत करें एसीबी और फंसा दो. हंगामा हो गया.

खुद नगर निगम के कर्मचारी की धमकी से वहां मौजूद अन्य कर्मचारी व ड्यूटी पर मौजूद मार्शल हंगामा करते हुए वहां पहुंच गए। जिस समय मार्शल अशरफ खान को पहली मंजिल से नीचे ले जा रहे थे, उस समय वह बच गया,

उसने धमकी दी कि जब मैं कार्यालय के बाहर उससे मिलूंगा तो उसके हाथ-पैर तोड़ देंगे।

थाने में दर्ज की शिकायत इस घटना के बाद सहायक अभियंता ने उच्चाधिकारियों को इसकी सूचना दी और लाइसेंसी प्लंबर अफसरखान पठान के खिलाफ उधना थाने में तहरीर दी.पुलिस ने मामला दर्ज कर पूरे मामले की जांच की.

आइस फैक्ट्री अमोनिया गैस रिसाव से 40 से अधिक को सांस लेने में दिक्कत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नवसारी,जिले के बीलीमोरा में एक आइस फैक्ट्री में अमोनिया गैस रिसाव की घटना सामने आई है। गैस रिसाव से 40 से अधिक लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। उसमें एक व्यक्तिकी हालत गंभीर होने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया। नवसारी जिले के गणदेवी तहसील के बीलीमोरा में एक आइस फैक्ट्री में से अमोनिया गैस रिसाव होने लगा। गैस रिसाव से 40 से अधिक लोगों को असर पहुंची। लोगों सांस लेने में दिक्कत होने पर उन्हें अफरा तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते

ही अग्निशमन की दल की टीम मौके पर पहुंच गई और परिस्थिति पर काबू पा लिया। हालांकि इस घटना में एक व्यक्ति को गैस रिसाव के बाद सांस लेने में काफी परेशानी होने पर उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया। गैस रिसाव की घटना कैसी हुई इस मामले प्रशासन द्वारा जांच की जा रही है। पुलिस ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर कार्रवाई शुरु कर दी है।

पेपर लीक कांड में ATS ने और दो आरोपी को किया गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,पंचायत जूनियर क्लर्क की परीक्षा का पर्चा लीक कांड मामले में गुजरात ATS ने और दो आरोपी को कोलकाता से गिरफ्ततार कर लिया। पेपर लीक कांड में गुजरातATSने अब तक 15 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आज और दो आरोपी नीशिकांत सिंहा और सुमित राजपूत को गिरफ्तार किया है। राज्य में 29 जनवरी रविवार को पंचायत जूनियर क्लर्क की परीक्षा होनेवाली थी। हालांकि पर्चा लीक होने के बाद पंचायत जूनियर क्लर्क की परीक्षा स्थगित कर दी गई थी। परीक्षा के लिए करीब 9.53 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था7 परीक्षा देने के लिए अभ्यर्थी अपने परीक्षा केन्द्रों पर भी पहुंच गए थे। लेकिन पेपर लीक का मामला सामने आने के बाद परीक्षा को रद्द कर दिया गया। पर्चा लीक होने के बाद गुजरात सरकार ने सभी अभ्यर्थियों को उनके वापस जाने के लिए बस में मुफ्त यात्रा कराने का आदेश दिया था। गुजरात के 2995 केन्द्रों पर जूनियर क्लर्क की प्रतियोगी परीक्षा होनी थी। जिसके लिए कुल 953733 अभ्यर्थियों ने 1181 पदों पर भर्ती के उद्देश्य से आयोजित परीक्षा के लिए पंजीकरण करवाया था। दूसरी ओर पर्चा लीक के बाद परीक्षा स्थगित किए जाने पर गुजरात के कई शहरों में अभ्यर्थी सड़कों पर आ गए थे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध जताया था।

पेपर लीक होने के बाद गुजरात एटीएस ने 15 से ज्यादा आरोपियों को हिरासत में लिया गया था। गुजरात ATS आरोपियों को वडोदरा की ज्यूडिशियल मेजिस्ट्रेट की कोर्ट में पेश किया। पुलिस ने सभी आरोपियों के 14 दिनों के रिमान्ड की मांग की थी। कोर्ट ने आरोपियों के 12 दिनों के रिमान्ड की मंजूरी दी गई थी। कोर्ट ने आरोपियों के 10 फरवरी तक यानि कि 12 दिनों के रिमान्ड की मंजूरी दी है।

राज्य के 7 ज़िलों में 99 श्रमिक नाकों पर भोजन की व्यवस्था 4 माह में 3 लाख से अधिक श्रमिको ने लिया लाभ

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर, सरकार अंतिम छोर के मानव तक सुख- सुविधाएँ पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभ नागरिकों तक पहुँच भी रहे हैं। हाल में श्रमिक अन्नपूर्णा योजनांतर्गत निर्माण श्रमिकों (कंस्ट्रक्शन लेबर्स) को केवल 5 रूपए में भोजन दिया जाता है। कोविड महामारी के पश्चात् अक्टूबर-2022 में इस योजना के अंतर्गत कामकाज पुनः शुरू किया गया था और केवल चार महीनों की अवधि में ३ लाख 90 हज़ार से अधिक निर्माण श्रमिक इस योजना का लाभ ले चुके हैं। नए वर्ष 2023 के दूसरे महीने से यानी फ़रवरी माह के आरंभ से ही अब दैनिक भोजन प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की संख्या 11 हज़ार हो गई है। श्रमिकों की सुख-सुविधा को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा अब भोजन की डिलीवरी भी शुरू की गई है। जिन कंस्ट्रक्शन साइट्स पर सर्वाधिक श्रमिक काम करते हों वहाँ भोजन की डिलीवरी होती है। हाल में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में अहमदाबाद तथा गांधीनगर की 9 साइट्स पर डिलीवरी शुरू की गई है।

इस योजनांतर्गत राज्य में कुल 7 ज़िलों में 99 कडियानाका (श्रमिक नाकों) पर भोजन प्रदान किया जा रहा है। इनमें अहमदाबाद में 47 गांधीनगर

में 4 वडोदरा में 12 सूरत में 18 नवसारी में 3 राजकोट में 9 एवं मेहसाणा में 6 श्रमिक नाके शामिल हैं।

योजनांतर्गत श्रमिकों को भोजन में दलहन (कठोळ) की सब्ज़ी आलू तथा मिक्स सब्ज़ी रोटी चावल अचार/मिर्च गुड़; हर गुरुवार को खिचडी-कढी तथा सप्ताह में एक बार सुखडी (आटे व घी से बनने वाला मीठा व्यंजन) अथवा हल्वा दिया जाता है। हाल में सरकार की ओर से प्रति भोजन ३७ रूपए की सब्सिडी का भुगतान कर केवल 5 रूपए में श्रमिकों को भोजन प्रदान किया जाता है। आगामी समय में भावनगर में 4 वलसाड में 6 तथा पाटण में 1 श्रमिक नाकों पर शीघ्र ही यह योजना आरंभ की जाएगी और उसके बाद और निर्माण साइटों पर भी योजना का विस्तार करने का आयोजन है।

ई-निर्माण कार्ड से श्रमिक प्राप्त कर सकेंगे भोजन श्रमिक अन्नपूर्णा योजना के सभी केन्द्रों पर ई-निर्माण कार्ड की सहायता से भोजन प्राप्त किया जा सकेगा। कार्ड का क्यूआर (QR) कोड स्कैन करा कर टिफ़िन या स्थल पर ही एक प्रहर का भोजन प्राप्त किया जा सकेगा। जिन लाभार्थियों के पास ई-निर्माण कार्ड नहीं होगा उन निर्माण श्रमिकों का बूथ पर ही अस्थायी रूप से पंजीकरण होता है जिसके बाद वे 15 दिनों तक भोजन प्राप्त कर सकते हैं। "सरकार की प्राथमिकता ही यह रही है कि समाज के अंतिम छोर तक योजनाएँ पहुँचें तथा हर ज़रूरतमंद व्यक्तियों का उन योजनाओं का अधिकतम् लाभ मिल सके। और यह ख़ुशी की बात है कि इस योजना का अब तक 3 लाख 90 हज़ार से अधिक श्रमिक लाभ ले चुके हैं। फ़रवरी के आरंभ में ही दैनिक लाभार्थियों की संख्या 11 हज़ार हो गई है। हमने पायलट प्रोजेक्ट के रूप में साइट्स पर फ़ूड डिलीवरी भी शुरू कराई है। आगामी दिवसों में इस योजना का और विस्तार किया जाएगा तथा नागरिकों को इसका अधिकतम् लाभ मिलेगा।"